



आमन लेखनी

नियमित करें योग रहें हमेशा.....

मानसिक स्वास्थ्य के लिए कारगर.....



वर्ष : 10 अंक : 190 लखनऊ, 20 जून, गुरुवार 2024 पृष्ठ : 08 मूल्य : 2.00 रुपए

शिक्षा जगत में भारत के पुरातन गौरव को पुनः स्थापित करेगा नालंदा विश्वविद्यालय का आधुनिक स्वरूप: सीएम योगी

भाजपा सरकार में प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाएं चरमरा गईं : अखिलेश यादव

देशवासियों को बधाई देते हुए सीएम योगी ने इसे भारतीय शिक्षा और संस्कृति के उद्भव का 'अमृतकाल' करार दिया

● मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नालंदा विश्वविद्यालय के नए परिसर का लोकार्पण करने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जताया आभार नया परिसर प्रधानमंत्री जी की भारत के सांस्कृतिक विरासतों के संरक्षण और शैक्षिक उन्नयन के प्रति प्रतिबद्धता का जीवंत प्रमाण: सीएम योगी



आदित्यनाथ ने इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताते

हुए देशवासियों को बधाई दी है। उन्होंने नालंदा विश्वविद्यालय के इस आधुनिक स्वरूप को शिक्षा जगत में भारत के पुरातन गौरव को पुनः स्थापित करने वाला और भारतीय शिक्षा और संस्कृति के उद्भव का 'अमृतकाल' करार दिया है। सीएम योगी ने एक्स पर की गई अपनी पोस्ट में लिखा, बिहार में नालंदा विश्वविद्यालय के नए परिसर का उद्घाटन प्रधानमंत्री जी की भारत के सांस्कृतिक विरासतों के संरक्षण और शैक्षिक उन्नयन के प्रति प्रतिबद्धता का जीवंत प्रमाण है। भारत की अतुल्य मेधा, अपरिमित ज्ञान, उत्कृष्ट शिक्षा और समृद्ध संस्कृति के गौरवशाली अतीत और विरासत को संजोए नालंदा विश्वविद्यालय का यह आधुनिक स्वरूप शिक्षा जगत के मानचित्र पर भारत के पुरातन गौरव को पुनर्स्थापित करेगा।

हुए देशवासियों को बधाई दी है। उन्होंने नालंदा विश्वविद्यालय के इस आधुनिक स्वरूप को शिक्षा जगत में भारत के पुरातन गौरव को पुनः स्थापित करने वाला और भारतीय शिक्षा और संस्कृति के उद्भव का 'अमृतकाल' करार दिया है। सीएम योगी ने एक्स पर की गई अपनी पोस्ट में लिखा, बिहार में नालंदा विश्वविद्यालय के नए परिसर का उद्घाटन प्रधानमंत्री जी की भारत के सांस्कृतिक विरासतों के संरक्षण और शैक्षिक उन्नयन के प्रति प्रतिबद्धता का जीवंत प्रमाण है। भारत की अतुल्य मेधा, अपरिमित ज्ञान, उत्कृष्ट शिक्षा और समृद्ध संस्कृति के गौरवशाली अतीत और विरासत को संजोए नालंदा विश्वविद्यालय का यह आधुनिक स्वरूप शिक्षा जगत के मानचित्र पर भारत के पुरातन गौरव को पुनर्स्थापित करेगा।

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार



नामित बदायूं मेडिकल कॉलेज बीजेपी सरकार की उदासीनता और बेरुखी के चलते बंदहाल हो गया है। यहां मासूम नवजातों की मौतों का सिलसिला जारी है, इलाज की कोई सुचारू व्यवस्था नहीं। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा विकास नहीं विध्वंस करती है। समाजवादियों ने जो काम किये थे उनको बिगाड़ना ही भाजपा का मुख्य काम हो गया है। भाजपा सरकार से जनता का भरोसा खत्म हो गया है। भाजपा सरकार पूरी तरह से विफल है।

मौसम अधिकतम तापमान 40.0c न्यूनतम तापमान 28.0c बाजार सोना 7,077/ 9 चांदी 96/ 9 सेंसेक्स 77,337.59 निफ्टी 23,521.60

वायु प्रदूषण से कैंसर रोगियों के लिए बढ़ जाता है हृदय रोग और मौत का खतरा

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नयी दिल्ली। एक नए शोध में दावा किया गया है कि वायु प्रदूषण से कैंसर रोगियों में हृदय संबंधी बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है, जिसके परिणामस्वरूप स्वास्थ्य असमानताएं बढ़ सकती हैं और मौत हो सकती है। शोध में 2000 से 2023 के बीच प्रकाशित आठ दस्तावेजों की समीक्षा की गई, जिसमें हृदय रोग, जैसे दिल का दौरा व स्ट्रोक और कैंसर पर वायु प्रदूषण के प्रत्यक्ष प्रभावों का अध्ययन किया गया। यह शोध 1.1 करोड़ से ज्यादा लोगों पर किया गया। शोधकर्ताओं ने पाया कि सूक्ष्म कण (पीएम2.5) प्रदूषण के संपर्क में आने से शरीर की हार्मोनल प्रतिक्रियाएं और सूजन के खतरा बढ़ सकते हैं।

से शरीर की हार्मोनल प्रतिक्रियाएं और सूजन के खतरा बढ़ सकते हैं। शोधकर्ताओं ने पाया कि सूक्ष्म कण (पीएम2.5) प्रदूषण के संपर्क में आने से शरीर की हार्मोनल प्रतिक्रियाएं और सूजन के खतरा बढ़ सकते हैं। शोधकर्ताओं ने पाया कि सूक्ष्म कण (पीएम2.5) प्रदूषण के संपर्क में आने से शरीर की हार्मोनल प्रतिक्रियाएं और सूजन के खतरा बढ़ सकते हैं।

जम्मू-कश्मीर में पीएम मोदी मनाएंगे अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

7,000 से अधिक लोग होंगे साथ

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस वर्ष के अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को 21 जून (शुक्रवार) को श्रीनगर में मनाएंगे, इस दौरान वह सभा को संबोधित करेंगे और एक योग सत्र कार्यक्रम में भी भाग लेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि पीएम मोदी 20 और 21 जून को जम्मू-कश्मीर का दौरा करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी 20 जून को शाम करीब 6 बजे श्रीनगर के शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस सेंटर (एसकेआईसीसी) में एम्पावरिंग यूथ, ट्रांसफॉर्मिंग जेनडर कार्यक्रम में भाग लेंगे।

कार्यक्रम में भाग लेंगे। प्रधानमंत्री मोदी जम्मू-कश्मीर में कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। बयान में कहा गया है कि वह कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में प्रतिस्पर्धात्मकता सुधार परियोजना (जेकेसीआईपी) भी लॉन्च करेंगे। प्रधानमंत्री 21 जून को सुबह लगभग 6:30 बजे श्रीनगर के एसकेआईसीसी में 10वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम में भाग लेंगे। वह इस अवसर पर सभा को संबोधित करेंगे और उसके बाद योग सत्र में भाग लेंगे। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर



प्रधानमंत्री का यहां होना पूरी कश्मीर घाटी के लिए सम्मान की बात है। सिन्हा ने कहा, अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यहां होना पूरी घाटी के लिए सम्मान की बात है। वह 21 जून को डल

श्रीलंके के निरारे 7,000 से अधिक लोगों के साथ योग करेंगे। इस वर्ष का योग दिवस कार्यक्रम युवा मन और शरीर पर योग के गहरे प्रभाव को रेखांकित करता है। इस आयोजन जमीनी स्तर पर भागीदारी और ग्रामीण क्षेत्रों में योग के प्रसार को प्रोत्साहित करेगा। बयान में कहा गया है कि 20 जून को होने वाला कार्यक्रम-युवाओं को सशक्त बनाना, जम्मू-कश्मीर, रांची, लखनऊ, मैसूर और यहां तक कि न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में कर्तव्य पथ सहित विभिन्न प्रतिष्ठित स्थानों पर अंतरराष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई) समारोह का

नेतृत्व किया है। इस वर्ष की थीम स्वयं और समाज के लिए योग व्यक्तिगत और सामाजिक कल्याण को बढ़ावा देने में दोहरी भूमिका पर प्रकाश डालती है। यह आयोजन जमीनी स्तर पर भागीदारी और ग्रामीण क्षेत्रों में योग के प्रसार को प्रोत्साहित करेगा। बयान में कहा गया है कि 20 जून को होने वाला कार्यक्रम-युवाओं को सशक्त बनाना, जम्मू-कश्मीर, रांची, लखनऊ, मैसूर और यहां तक कि न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में कर्तव्य पथ सहित विभिन्न प्रतिष्ठित स्थानों पर अंतरराष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई) समारोह का

संक्षिप्त समाचार

हरियाणा ने अतिरिक्त पानी देने से इनकार कर दिया है: दिल्ली सरकार

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, दिल्ली में बढ़ते जल संकट के बीच आम आदमी पार्टी (आप) सरकार ने मंगलवार को दावा किया कि हरियाणा ने मानवीय आधार पर राष्ट्रीय राजधानी को अतिरिक्त पानी देने में असमर्थता जताई है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आप सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि हरियाणा सरकार ने मंगलवार को डेटा जारी किया, जिसमें दिखाया गया कि उसने दिल्ली को 17 प्रतिशत से अधिक अतिरिक्त पानी दिया है और दावा किया कि जल मंत्री आतिथी शहर में पानी की कमी के मुद्दे को हल करने में अपनी खुद की कमियों को छिपाने के लिए पड़ोसी राज्य पर अपरेशाना लगा रही हैं। दिल्ली सरकार के एक बयान में कहा गया है कि उसके प्रतिनिधिमंडल ने चंडीगढ़ में हरियाणा के प्रधान सचिव (जल संसाधन) के साथ बैठक में मानवीय आधार पर अतिरिक्त जलापूर्ति का अनुरोध किया।

सीएम केजरीवाल को नहीं मिली राहत, 3 जुलाई तक बढ़ी व्यायिक हिरासत

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, दिल्ली एक्साइज पोलीस पीएमएलए मामले में राज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल और विनोद चौहान की न्यायिक हिरासत 3 जुलाई तक बढ़ा दी है। न्यायिक हिरासत की अवधि समाप्त होने के बाद दोनों को तिहाड़ जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अदालत में पेश किया गया। इंडी के वकील ने कहा कि विनोद चौहान ने गोवा चुनाव के लिए अभियेक बोइडनल्ले के माध्यम से बीआरएस नेता के कविता के पीए से 25 करोड़ रुपये प्राप्त किए। उन्होंने यह भी कहा कि इस मामले के अंत तक विनोद चौहान के खिलाफ अभियोजन



शिकायत दायर की जाएगी। उन्हें मंटे में गिरफ्तार किया गया था। इस मामले में अगली अदालती सुनवाई 3 जुलाई को होगी, जब केजरीवाल की न्यायिक हिरासत खत्म हो जाएगी। प्रवर्तन निदेशालय ने बुधवार को अदालत से अरविंद केजरीवाल की न्यायिक

लिया गया है। अपनी हिरासत के विस्तार का विरोध करते हुए, सीएम ने वकील विवेक जैन के माध्यम से प्रतिनिधित्व किया और कहा कि आवेदन गुणों से रहित है। इससे पहले अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश मुकेश कुमार ने मामले में जवाब दाखिल करने के लिए प्रवर्तन निदेशालय द्वारा और समय के लिए अर्जी को खारिज कर दिया था। इस बीच न्यायाधीश ने केजरीवाल की ओर से दाखिल एक अर्जी पर सुनवाई निर्धारित कर दी। अर्जी में केजरीवाल की स्वास्थ्य स्थिति और उपचार का निर्धारण करने के लिए गठित मेडिकल बोर्ड की कार्यवाही में उनकी पत्नी को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से शामिल होने की अनुमति देने के निर्देश देने का

अनुरोध किया गया था। इंडी ने कार्यवाही के दौरान अदालत से सुनवाई 25 जून तक स्थगित करने का अनुरोध किया। न्यायाधीश ने हालांकि कहा कि वह आरोपी की सुविधा के अनुसार अगली सुनवाई की तारीख तय करेंगे न कि जांच एजेंसी की सुविधा के हिसाब से। न्यायाधीश ने कहा, आरोपी न्यायिक हिरासत में है न कि इंडी की हिरासत में। अगर वह कुछ सुविधा चाहते हैं तो आपका इससे कोई लेना-देना नहीं है। आपको कोई भूमिका नहीं निभानी है। वह न्यायिक हिरासत में है। मैं उनकी सुविधा पर विचार करूंगा न कि आपको। दिल्ली की एक अदालत ने पांच जून को इस मामले में चिकित्सा आधार पर अंतरिम जमानत की केजरीवाल की याचिका खारिज कर दी थी।

राजस्थान सरकार ने न्यायालय को बताया: धर्मांतरण रोधी कानून लाया जा रहा है

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, राजस्थान सरकार ने मंगलवार को उच्चतम न्यायालय को बताया कि वह राज्य में अश्वेत तरीकों से धर्मांतरण के खिलाफ कानून लाने की प्रक्रिया में है। राज्य सरकार ने शीर्ष अदालत में दाखिल अपने हलफनामे में कहा, राजस्थान अपना कानून लाने की प्रक्रिया में है और तब तक वह इस विषय पर कानून, दिशा-निर्देशों या इस अदालत द्वारा पारित निर्देशों का सख्ती से पालन करेगा। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भरत लाल मीना द्वारा हलफनामा 2022 में दाखिल जनहित याचिका पर दाखिल



किया गया था। वकील अश्विनी उपाध्याय ने अधिवक्ता अश्विनी दुबे के माध्यम से एक जनहित याचिका दायर कर केंद्र और राज्य सरकारों को धोखाधड़ी से धर्म परिवर्तन और डराने, धमकाने, प्रलोभन और मौद्रिक लाभ के माध्यम से कराए जाने वाले धर्मांतरण पर रोक लगाने के लिए कड़े कदम उठाने के निर्देश देने का अनुरोध किया था।

एयरबस की टाटा संग हेलिकॉप्टर असेंबली इकाई लगाने के लिए जगह की तलाश जारी

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, एयरबस हेलिकॉप्टर्स ने मंगलवार को कहा कि वह भारत में हेलिकॉप्टर उत्पादन की अंतिम असेंबली लाइन (एफएएल) लगाने के लिए जगह की पहचान करने के लिए टाटा समूह के साथ काम कर रही है। दिग्गज विमान विनिर्माता एयरबस की इकाई एयरबस हेलिकॉप्टर्स के भारत एवं दक्षिण एशिया प्रमुख सनी गुगलानी ने यहां अपने एच145 हेलिकॉप्टर की पेशकश के अवसर पर यह जानकारी दी। कंपनी ने तटीय एवं समुद्री हेलिकॉप्टर सेवा प्रदाता हेलिगो चार्टर्स के साथ मिलकर, एच145 हेलिकॉप्टर पेश किया है। एयरबस के हेलिकॉप्टर विनिर्माण प्रभाग ने इस साल जनवरी में कहा था कि वह स्वदेशी विनिर्माण गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए भारत में हेलिकॉप्टर की अंतिम असेंबली



लाइन स्थापित करने के लिए टाटा समूह के साथ साझेदारी करेगी। इस इकाई का स्थान एयरबस और टाटा समूह को मिलकर तय करना था। गुगलानी ने संवाददाताओं से कहा, हम टाटा समूह के साथ मिलकर स्थान निर्धारित करने और यह योजना तैयार करने के लिए काम कर रहे हैं कि कारखाना किस तरह स्थापित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि 2026 में इस इकाई से तीन हेलिकॉप्टर तैयार किए

जिंदगी के 54वें बसंत में पहुंचे राहुल गांधी, मनाया गया जन्मदिन

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, दिवंगत प्रधानमंत्री राजीव गांधी और पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के बेटे राहुल गांधी आज यानी 19 जून को अपना 54वां जन्मदिन मना रहे हैं। राहुल गांधी भारत की पहली महिला प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के पोते और देश के पहले पीएम रहे पं. जवाहर लाल नेहरू के परपोते हैं। राजनीति राहुल गांधी को विरासत में मिली है। इनका परिवार कई दशकों से राजनीति में सक्रिय है। वहीं वर्तमान समय में राहुल गांधी भी परिवार से विरासत में मिली राजनीति में सक्रिय हैं। तो आइए जानते हैं इनके जन्मदिन के मौके पर राहुल गांधी के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में... जन्म और शिक्षा राहुल गांधी किसी पहचान के मोहताज नहीं हैं। उनके परबाबा देश के पहले प्रधानमंत्री थे और उनकी दादी देश की पहली महिला प्रधानमंत्री थीं। वहीं उनके पिता राजीव गांधी भी देश



के प्रधानमंत्री थे। राहुल गांधी सोनिया और राजीव गांधी के बेटे हैं। बचपन में राहुल गांधी को कभी भी सार्वजनिक रूप से मीडिया के सामने पेश नहीं किया गया। वह सोनिया गांधी की देखरेख में पले-बढ़े थे। वहीं उनका पूरा ध्यान पढ़ाई पर था। होम स्कूल को दी गई प्राथमिकता साल 1981 से लेकर 1983 तक राहुल गांधी देहरादून, उत्तराखंड में दूर स्कूल से पढ़ाई की। फिर उन्होंने दिल्ली के सेंट कोलंबा स्कूल से शिक्षा प्राप्त की। वहीं देश की तत्कालीन प्रधानमंत्री और राहुल गांधी की दादी इंदिरा गांधी की हत्या के बाद सुरक्षा के लिहाज से राहुल और प्रियंका गांधी को होम स्कूल की सुविधा दी गई। साल 1989 में सेंट कोलंबा स्कूल में एक साल बाद वह उच्च शिक्षा के लिए हार्वर्ड विश्वविद्यालय चले गए। राजीव गांधी की हत्या इसी दौरान जब राहुल गांधी हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में पढ़ाई कर रहे थे, तभी

उनके पिता और देश के तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या कर दी गई। फिर सुरक्षा कारणों के चलते राहुल गांधी को अमेरिका के फ्लोरिडा में रॉलिंस कॉलेज में शिफ्ट कर दिया गया। यहां पर उनकी पहचान को गुप्त रखने के लिए राहुल गांधी को 'राउल विंची' नाम का इस्तेमाल करना पड़ा। राजनीति में एंट्री बता दें कि साल 2004 में राहुल गांधी ने भारतीय राजनीति में एंट्री ली और उत्तर प्रदेश के निर्वाचन क्षेत्र से अपने पिता की सीट अमेटी से शानदार जीत हासिल की। पार्टी सचिवालयों के पुनर्गठन के दौरान उनको अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव के रूप में नियुक्त किया गया था। इसके अलावा उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय छात्र संघ और भारतीय युवा कांग्रेस का पदभार संभाला। वहीं साल 2009 के चुनाव में अमेटी सीट से जीत हासिल की। फिर साल 2013 में राहुल गांधी को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के उपाध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया था।

शोहदे के छेड़छाड़ की हरकतों से तंग आकर पीड़िता ने दर्ज कराई रिपोर्ट

- पीड़िता का न्यूड फोटो बना तुड़वा चुका है शादी, करता रहा ब्लैकमेल**

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ , कृष्णा नगर थाने पर एक युवती ने अपने पण्डोसी शोहदे से तंग आकर आरोपित माँ बेटे के विरुद्ध खिलाफ शिकायत की है शिकायत पर पुलिस ने छेड़छाड़ धमकी व आईटी एक्ट की धारा में मुकदमा दर्ज कर आरोपित माँ बेटे के विरुद्ध कार्यवाई में जुटी है।कृष्णा नगर प्रभारी पी के सिंह ने बताया कि आजाद नगर क्षेत्र के कासिमपुर पकरी में रहने वाला कौशललेन्द्र बाजपेई पुत्र प्रमोद कुमार बाजपेई अपने पड़ोस में ही रहने वाली एक युवती को लम्बे समय से परेशान कर रहा है यहाँ तक पीड़ित युवती का मोबाईल फोन हैक कर उसकी फोटो निकाल लिया और फोटो को एडिट

मदापुर में पाठ की भीट में लगी भीषण आग,जलकर हुयी राख



अमन लेखनी समाचार

निगोहां।मदापुर गांव में बुढ़वार को सदिंघ परिस्थितियों में एक पान की भीट में छये फूस में भीषण आग लग गयी देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया।सूचना के काफी देर बाद फायर ब्रिगेड वाहन मौके पर पहुंचा लेकिन तब तक पान की भीट पूरी तरह जलकर राख हो चुकी थी।निगोहां के भद्रीशिर्षनिवासी मुनालाल चौर्मसिया ने बताया उनकी मदापुर में पान की भीट है जिसमें वह पान व कुंदरू, परवर की सब्जी की खेती करते है,बीते बुढ़वार की शाम चार बजे के करीब सदिंघ परिस्थितियों में भीट के

मध्य गंगा फेज-2 के कार्यों में तेजी लाने के निर्देश

- डॉ. हीरालाल की अध्यक्षता में हुई अधिकारियों की बैठक**

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। मध्य गंगा फेज-2 के अंतर्गत कराये जाने वाले कार्यों में तेजी लाने को लेकर डॉ. हीरा लाल, अध्यक्ष एवं प्रशासक, ग्रेटर शारदा सहायक समादेश क्षेत्र विकास प्राधिकारी/परियोजना की अध्यक्षता में कार्यालय सभाकक्ष में ग्रेटर शारदा सहायक समादेश एवं सिंचाई विभाग के अधिकारियों की बैठक हुई।बैठक में राजीव यादव-अपर आयुक्त, रजनीश कुमार चौधरी-अधीक्षण अभियंता ग्रेटर शारदा सहायक समादेश एवं समादेश के क्षेत्रीय कार्मिकों, भूमि संरक्षण अधिकारी, अवर अभियंता एवं सहायक भूमि संरक्षण निरीक्षक तथा

सदिग्ध परिस्थितियों में मजदुर की मौत

लखनऊ , आशियाना थाना क्षेत्र के शारदा नगर में रहने वाले एक मजदुर की मंगलवार शाम अचानक हालत बिगड़ गई आनन फानन में आसपास के लोगों ने लोकबंधु अस्पताल पहुंचाया जहाँ डॉक्टरों ने मजदुर को मृत घोषित कर दिया। अस्पताल प्रशासन की सूचना पर कृष्णा नगर पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के भेज दिया है मूलरूप से जनपद रायबरेली शिवगढ़ थाना क्षेत्र में रहने वाला प्रेम कुमार (35) पुत्र रामबली लखनऊ के शारदा नगर योजना रजनी खंड में किराये के मकान में रहकर मजदूरी करता था मृतक के भाई के मुताबिक सोमवार शाम जब युवक अपने कमरे में वापस लौटा तो उसे उल्टियां होने लगा और बेहोश हो गया मौजूद स्थानीय लोगों ने हालत गंभीर देख लोकबंधु अस्पताल पहुंचाया गया जहा डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। अस्पताल प्रशासन की सूचना पर पहुंची कृष्णा नगर पुलिस ने मृतक का शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया है। मृतक के परिवार में एक किशोरी पुत्री मोहिनी है जो माँ वें अपने चाचा के साथ रहती है मृतक की पत्नी काफी वर्षों पूर्व ही अपनी पति को छोड़ चली गई है।

मिश्र ने कहा की किसानों के हित के लिए राष्ट्रीय लोक दल पार्टी की नींव किसान नेता भारत रत्न चौधरी चरण सिंह पूर्व प्रधान मंत्री ने रखी थी उस समय पार्टी जबर्दस्त किसानों कमजोरों की पार्टी बन कर उभरी थी लेकिन विगत कुछ वर्षों में पार्टी के विस्तार पर प्रभावी ढंग से काम नहीं किया जा सका है लेकिन युवा शक्ति के प्रेरणादायक राष्ट्रीय लोक दल के

सगे भाइयों ने मिलकर भाई को

जमकर पीटा, इलाज के दौरान मौत

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। थाना क्षेत्र के एक गांव में शराब पीकर घर आये युवक के सगे भाइयों से कहासुनी हो गई बात इतनी बड़ गई कि सगे भाइयों ने नशे में धुत भाई की पिटाई कर दी मारपीट के दौरान युवक गंभीर रूप से घायल हो गया जिसे परिजनों ने जिला अस्पताल मे भर्ती कराया जहाँ इलाज के दौरान घायल उसकी मौत गयी। मिली जानकारी के अनुसार मलिहाबाद थाना क्षेत्र के गोसालालपुर के रहने वाले पंकज गौतम (35) जो पेशे से मजदूर है। बीते मंगलवार की देर शाम शराब पीकर घर आया था।किसी बात को लेकर पंकज से उसके सगे भाइयों छोट्टू,अंकित,अभिषेक व पिता मिश्रीलाल से कहासुनी होने लगी



मृतक पंकज फाइल – फोटो

बात इतनी बड़ गई कि चारों लोगों ने एकराय होकर पंकज को पीट दिया जिससे पंकज गंभीर रूप से घायल हो गया।जिसके बाद पंकज की पत्नी ने उसे बलरामपुर अस्पताल मे

चोरो ने बंद मकान का ताला तोड़ कीमती गहने किए पार

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ।कृष्णा नगर क्षेत्र के नया सरदारी खेड़ा में रहने वाला एक परिवार मई माह में घर पर ताला बंद कर चाभी पड़ोस में रहने वाले अपने रिस्तेदार को सौंप गैरजनपद चले गए थें पड़ोसी रिस्तेदार ने घर का ताला टुटा देख फोन पर जानकारी दी वापस लौटे परिवार ने स्थानीय पुलिस से शिकायत की है।कृष्णा नगर कोतवाली प्रभारी पी के सिंह ने बताया कि थाना क्षेत्र के नया सरदारी खेड़ा में रविशंकर सिंह पुत्र विनय कुमार सिंह अपने परिवार के साथ रहते है उनके पड़ोस में ही बहन और बहनोई धर्मेद प्रताप सिंह रहते है रविशंकर के मुताबिक वह बीते 29 मई को अपने घर पर ताला बंद कर

अमन लेखनी

अनियंत्रित तेज रफ्तार कार ने घर के बाहर बैठे दिव्यांग को रौंदा,मौत

अमन लेखनी समाचार

निगोहां। मस्तीपुर गांव निवासी अधिवक्ता खजान सिंह यादव ने बताया कि उनके बड़े भाई रणजीत सिंह यादव (48वर्ष)दोने आंखों से दिव्यांग है,बीते मंगलवार की रात दस बजे के करीब घर के बाहर बरामदे में कुर्सी डाले हुये बैठे थे तभी इलाहाबाद की तरफ से लखनऊ जा रही एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर हाइवे के नाले क्रास कर बरामदे में बैठे दिव्यांग भाई को रौंदते हुये पड़ोसी के घर के बाहर लगी मोर्ग में जा

गोमतीनगर व उसके पिता रामनरेश भी

घायल हो गये।मृतक के परिवार में पत्नी ममता यादव व दो बेटे हर्शित व वंश है ?। बुढ़वार को पोस्टमार्टम के बाद मृतक दिव्यांग का शव घर पहुंचने पर परिजनों ने अन्तिम संस्कार किया।थाना प्रभारी अनुज कुमार तिवारी ने बताया मृतक दिव्यांग के परिजनों की तहरीर पर दुर्घटना करने वाली कार व चालक के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कर कार को कब्जे में ले लिया गया है।

विवाहिता ने ससुरालीजनों पर जान से मारने का प्रयास करने के अलावा देहेज प्रताड़ना का लगाया आरोप, मुकदमा दर्ज

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। सरोजनीनगर के सेक्टर -ई, एलडीए कॉलोनी निवासी विवाहिता प्रियंका तिवारी ने अपने पति अखिलेश्वर प्रसाद तिवारी, सास नारायणी तिवारी, ससुर जयनारायण तिवारी, ननद मोनाक्षी द्विवेदी और ननदोई सत्य प्रकाश द्विवेदी के खिलाफ गाली-गलौज, मारपीट, जान से मारने की धमकी व जान से मारने का प्रयास करने के अलावा देहेज प्रताड़ना की रिपोर्ट दर्ज कराई है। प्रियंका का कहना है कि 18 फरवरी 2022 को उसका विवाह अखिलेश्वर प्रसाद तिवारी के साथ हुआ था। उसके बाद से ही ससुराल वाले कम देहेज लाने का ताना देते हुए उसके साथ मारपीट करने लगे। आरोप है कि आरोपियों ने उसका खाना पीना भी बंद कर दिया और मानसिक व शारीरिक रूप से प्रताड़ित करने लगे। पीड़िता का कहना है कि करीब साल भर पहले

इतिहास के पन्नों में दफन हुआ अकबरनगर, कुकरैल नदी के पुनर्जीवन की राह हुई आसान

लखनऊ। कुकरैल नदी का अतिक्रमण कर अवैध कब्जों से पाट दिया गया लखनऊ का अकबरनगर इलाका अब इतिहास के पन्नों में दफन हो चुका है। इस क्षेत्र को अब इको टूरिज्म के हब के रूप में विकसित किए जाने की तैयारी हो रही है।रिवर फ्रंट के साथ ही देश की पहली नाइट सफारी के अलावा सरकार ने इस क्षेत्र को चमकाने का पूरा रोडमैप तैयार कर लिया है। इस पर जल्द अमल शुरू होगा।योगी सरकार के प्रयासों और सुप्रीम कोर्ट के आदेश से इस पूरे क्षेत्र को भूमाफिया, घुसपैठियों, रोहिंग्या और बांग्लादेशियों के कब्जे से खाली करा लिया गया है। यहाँ कब्जा कर बनाए गए एक-एक अवैध मकान और बड़े-बड़े वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों को जर्मीटोज कर दिया गया है।

बेहोशी की हालत में पड़ा मिला अज्ञात व्यक्ति चिकित्सकों ने किया मृत घोषित

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। बिजनौर इलाके में मंगलवार शाम 40 वर्षीय अज्ञात व्यक्ति बेहोशी की हालत में पड़ा मिला। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने उसे लोक बंधु अस्पताल पहुंचाया। जहाँ चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बिजनौर कस्बे में मंगलवार शाम करीब 7 बजे बेहोशी की हालत में मिला करीब 40 वर्षीय अज्ञात व्यक्ति नीले रंग की टी शर्ट और हाफ पैट पहने हुए था। काफी देर तक बेहोशी की हालत में पड़े देख स्थानीय लोगों



संक्षेप

गांव को राजमार्ग से न जोड़ने पर ग्रामीणों में आक्रोश

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। तहसील बीघापुर अंतर्गत बने एन एच 31 राष्ट्रीय राजमार्ग में थाना बिहार से चंद कदमो की दूरी पर स्थित गाँव रावतपुर से बिहार लिंक डामर रोड को राजमार्ग से न जोड़े जाने पर ग्राम वासियों में आक्रोश की भावना देखने को मिली। ग्रामवासियों ने उपजिलाधिकारी बीघापुर क्षितिज द्विवेदी को ज्ञापन देकर गाँव को राजमार्ग से जोड़ने की मांग की है। राष्ट्रीय राजमार्ग एन एच 31 का कार्य लगभग पूरा हो चुका है लेकिन रावतपुर से बिहार संयुक्त मार्ग को डामरीकृत है उसको न जोड़ा जाना गंभीर विषय है। राजमार्ग निर्माण के समय इस संपर्क मार्ग को तोड़ दिया गया था लेकिन जोड़ा नहीं गया गाँव की सतह से राजमार्ग की ऊँचाई लगभग 10 फिट से ऊपर है। राजमार्ग से रावतपुर -बिहार जाने वाले भारी वाहन,मोटरसाइकिल सवार आदि आयेदिन चुटहिल होते आ रहे है। गाँव वालों ने जब इस लिंक मार्ग को राजमार्ग से जोड़े जाने की बात अधिकारियों से की तब अधिकारियों ने असमर्थता जताते हुए कहा अब राजमार्ग का कार्य पूर्ण हो चुका है। इस समस्या से निजात पाने हेतु ग्रामवासी बुधवार को उपजिलाधिकारी क्षितिज द्विवेदी से मिले व प्रार्थना पत्र देकर गाँव के लिंक मार्ग को जोड़ने की मांग की है। उपजिलाधिकारी क्षितिज द्विवेदी ने बताया सर्वे करा कर गाँव के संपर्क मार्ग को जोड़ने का काम करवाया जाएगा। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य बच्चा हलवाई, रविन्द्र सिंह, कमलेश, मोदी दीक्षित, रंजीत, संजू आदि उपस्थित रहे।

जलसाजो ने किसान की 11 विसुआ भूमि की जगह लिखा ली एक बीघा

अमन लेखनी समाचार

हसनगंज, उन्नाव। रजिस्ट्री कार्यालय में 11 विसुवा जमीन की बिक्री करने आए किसान से जलसाजो ने आगरा एक्सप्रेसवे किनारे की करोड़ों रुपए की एक बोधे दो विसुवा जमीन का फर्जी बैनमा करा लिया पीडित किसान को जानकारी होने पर पीडित ने मुख्यमंत्री को शिकायत पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है। कोतवाली क्षेत्र फिलखना रसोदपुर गाँव निवासी किसान छेदीलाल पुत्र भल्लर ने मुख्यमंत्री पटेल पर शिकायत दर्ज कर बताया कि 21 मई को 11 बिस्वा जमीन को 14 लाख रुपए में गाँव के ही छोटेलाल पुत्र शिवराज के हाथों बेची थी। किसान ने आरोप लगाया की 8 दिन बाद 29 मई को आगरा एक्सप्रेसवे किनारे अलीवारपुर गाँव के पास स्थित करोड़ों रुपए कीमत की 1 बीघा 2 बिस्वा जमीन को जलसाजो ने फर्जी तरीके से बैनमा करा लिया। जानकारी होने पर पीडित ने रजिस्ट्री कार्यालय में जांच कराई जहां पर उसकी कोई भी सीसीटीवी फुटेज नहीं मिली पीडित ने मुख्यमंत्री जम सुनवाई पर शिकायत कर कार्रवाई की मांग की। सीओ सतीश सिंह ने बताया कि किसान ने किसी प्रकार का कोई शिकायत पत्र नहीं दिया है। शिकायत अगर आती है तो जांच कराकर कार्रवाई की जाएगी।

फांसी के फंदे पर लटकता मिला महिला का शव

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। कानपुर के सीसामऊ बजरिया क्षेत्र की रहने वाली एक युवती का छह साल पहले उन्नाव शहर के जवाहर नगर मोहल्ले मे रहने वाले एक युवक साथ विवाह हुआ था। शादी के बाद से कम देहज को लेकर ससुरालीजन लगातार महिला को प्रताड़ित कर रहे थे बुधवार को महिला का शव फांसी के फंदे से लटकता मिला। सूचना पर पहुंचे मायके पक्ष के लोगों ने कम देहज देने पर हत्या कार लटकने का आरोप लगाया है। पुलिस ने मृतका के शव को कब्जे में लेकर

बाजार से घर जा रहे युवक पर ढबंगो ने किया जान लेवा हमला

सुमेरपुर, उन्नाव। थाना बिहार अन्तर्गत भगवन्तनगर बाजार से वापस लौटते समय युवक पर पहले से घात लगाए तीन लोगों ने धारदार हथियार से हमला कर लहलुहान कर दिया। पीडित द्वारा थाना बिहार में तहरीर देने पर जांचोपरांत पुलिस ने सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। भगवन्तनगर चौकी क्षेत्र के चकभगन खेड़ा निवासी कुंवर वीर प्रताप सिंह यादव पुत्र राजकुमार सोमवार शाम भगवन्तनगर बाजार घर का सामान लाने हेतु गये थे। श्री गंगा स्वीट्स भगवन्तनगर से आइसक्रीम लेकर लौटते समय पहले से घात लगाये बैठे सुयांश सिंह उर्फ राज पुत्र अनिल सिंह निवासी मोहकमपुर अथर्व प्रताप सिंह उर्फ ब्रजवा पुत्र शिव सिंह उर्फ पानू निवासी मानपुर व आशीष शुक्ला उर्फ विकास पुत्र अज्ञात नि० मनिकापुर आदि ने पीछे से पीडित की हत्या करने के प्रयास से सिर के ऊपर कुल्हाड़ी एवं अन्य धार दार हथियार से ताबड़ तोड़ हमले कर दिए जब पीडित अचेत अवस्था में सड़क पर गिर गया उसे हांकी डण्डो से मार पीट कर मरा समझ छोड़ गए। पीडित की जान किसी प्रकार बच सकी।

ब्लॉक स्तरीय टास्क फोर्स की हुई बैठक

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। संचारी रोग नियंत्रण अभियान से संबंधित विकासखंड कार्यालयों पर आयोजित की गई। जिसमें संचारी रोग नियंत्रण अभियान एवं दस्तक अभियान को सफल बनाए जाने हेतु चर्चा की गई। गंजमुरादाबाद ब्लॉक स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक में स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी व नोडल अधिकारी डॉक्टर धीरेंद्र कुमार ने बताया कि 1 जुलाई से 31 जुलाई तक संचारी रोग नियंत्रण अभियान चलेगा तथा 11 जुलाई से 31 जुलाई तक दस्तक अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि जब तक सभी विभागों के संबंधित अधिकारी/ कर्मचारी अपना पूरा सहयोग नहीं देंगे तब तक इस अभियान को कामयाब नहीं बनाया जा सकता। उन्होंने कहा कि सभी संबंधित विभाग अपना माइक्रो प्लान जल्द बनाकर 27 जून तक अपने मुख्यालय को अवश्य प्रेषित कर दें।



ब्लॉक स्तर पर नोडल अध्यापकों का संवेदीकरण 24 से 27 जून के मध्य अवश्य कर लिया जाए। स्थानीय निकाय नगर पंचायत 26 जून को संबंधित स्टाफ का संवेदीकरण करें। ग्राम प्रधान/ ग्राम विकास अधिकारियों का संवेदीकरण 27 से 28 जून के मध्य अवश्य कर लिया जाए। दस्तक अभियान के संचालन हेतु आशा, एनएएम तथा आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों का संवेदीकरण 3 से 8 जुलाई के मध्य अवश्य कर लिया जाए। दिनांक 21 जुलाई को सभी ब्लॉक स्तरीय अधिकारी टीटीएफ में बांगरमऊ

तरह जागरूक रहना होगा। हमें मच्छरदानी, मॉटिन आदि का प्रयोग करना चाहिए जिससे मच्छरों से बचाव हो सके। उन्होंने फॉगिंग कराने व एंटी लारवा के छिड़काव पर विशेष बल दिया। इस मौके पर पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ। राहुल सचान, सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) रामेश्वर आदि के साथ ही शिक्षा विभाग, नगर पंचायत, आंगनबाड़ी सहित सभी विभागों के संबंधित अधिकारी/ कर्मचारी उपस्थित रहे। फतेहपुर चौरासी विकास खण्ड कार्यालय में स्वास्थ्य विभाग द्वारा

सद्विध परिस्थितियों में फैक्ट्री के अंदर मिला गार्ड का शव

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। दही थाना क्षेत्र के औद्योगिक एरिया की बंद पड़ी फैक्ट्री में सद्विध परिस्थितियों में बुधवार सुबह फैक्ट्री के अंदर गार्ड का शव पड़ा मिला सुबह जब दूसरा गार्ड फैक्ट्री पहुंचा तो वह जमीन पर पड़ा था। एंजुलैस मंदर से जिला अस्पताल ले गया। डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। दुकानदारों के द्वारा परिजनों को सूचना दी गई। जानकारी होने पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मांछी थाना क्षेत्र के रामसिंह खेड़ा गांव के रहने वाले 62 वर्षीय शिव वीर सिंह पुत्र कंचन सिंह का सद्विध परिस्थितियों में फैक्ट्री के अंदर शव पड़ा मिला। बुधवार सुबह दूसरा गार्ड इयूटी पर पहुंचा तो फैक्ट्री का गेट नहीं खुलने पर किसी तरह अंदर दाखिल हुआ तो देखा कोई शिववीर मृत अवस्था में पड़ा था। जिसे एंजुलैस की मदद से वह तुरंत

जिला अस्पताल ले गया जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मामलो की सूचना पाकर पोस्टमार्टम हाउस पहुंची पुलिस ने मृतक के परिजनों को घटना की सूचना दे दी है। मृतक शिववीर सिंह के बेटे विक्रम सिंह ने बताया कि दुकानदारों के द्वारा उसे घटना की जानकारी हुई। बाद में पुलिस के द्वारा घटना की जानकारी दी गई। वही फैक्ट्री प्रबंधन द्वारा घटना की जानकारी नहीं दी गई। ढाई साल से उसके पिता फैक्ट्री में गार्ड की नौकरी कर रहे थे। वह शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मांछी थाना क्षेत्र के रामसिंह खेड़ा गांव के रहने वाले 62 वर्षीय शिव वीर सिंह पुत्र कंचन सिंह का सद्विध परिस्थितियों में फैक्ट्री के अंदर शव पड़ा मिला। बुधवार सुबह दूसरा गार्ड इयूटी पर पहुंचा तो फैक्ट्री का गेट नहीं खुलने पर किसी तरह अंदर दाखिल हुआ तो देखा कोई शिववीर मृत अवस्था में पड़ा था। जिसे एंजुलैस की मदद से वह तुरंत

जिलाधिकारी ने अवैध अतिक्रमणकारियों को द्रव्या अल्टीमेटम

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। प्रमुख चौराहों से लेकर शहर के अंदर तक अस्थायी दुकानदारों ने अवैध रूप से आधी सड़क तक अतिक्रमण कर रखा है, जिसका खामियाजा सड़क से गुजरने वाले राहगीरों को जाम के झाम में फंसकर भुगतना पड़ता है।

अवैध अतिक्रमण को लेकर उन्नाव में प्रशासन ने सख्ती शुरू कर दी है। बुधवार को डीएम, सीडीओ समेत तमाम आलाधिकारियों के साथ पहुंचे और उन्होंने अतिक्रमण करने वालों को चिन्हित करने के साथ ही कार्रवाई की बात कही। उन्नाव शहर में अवैध अतिक्रमण को हटवा दुकानदारों को अल्टीमेटम दिया है। डीएम गौरंग राठी, सीडीओ प्रेम प्रकाश मीणा, एडीएम एफ गौरंग और नरेंद्र सिंह, एडीएम विकास सिंह, सिटी मजिस्ट्रेट राजीवराज, एसडीएम प्रज्ञा पांडे, सीओ सिटी आशुतोष कुमार, यातायात प्रभारी सुनील सिंह, कोतवाली पुलिस



टीम संयुक्त टीम के साथ बड़ा चौराहा स्थित कहचरी पुल के नीचे तिराहा के पास पहुंचे। यहां फुटपाथ पर अवैध रूप से किए गए अस्थायी अतिक्रमण को हटाया। तमाम दुकानदार अपनी ढकेल व बोर्ड स्वयं ही लेकर चल दिए। अधिकारियों द्वारा अवैध अतिक्रमण करने वालों को कड़ी चेतावनी दी गई है। इसके बाद अस्पताल रोड ओर कानपुर रोड तक अभियान चलाया। डीएम ने बताया कि

अतिक्रमण हटाने के लिए अभियान निरंतर जारी रहेगा। वहीं उन्होंने मंगलवार को साप्ताहिक बंदी का कड़ाई से पालन कराए जाने की बात कही है। डीएम ने कहा कि अतिक्रमण के चलते शहर से आवागमन करने वाले राहगीरों को इस भयंकर गर्मी में जाम से जूझना पड़ता है, जिससे उन्हें समस्याएं हो रही हैं। यदि नियमों का कोई उल्लंघन करेगा तो उसके खिलाफ कोई कार्रवाई भी की जाएगी।

खण्ड विकास अधिकारी अनिल कुमार सिंह की अध्यक्षता में क्षेत्र के विभिन्न विभागीय अधिकारियों की बैठक हुई, बैठक में स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचारी रोगों के रोकथाम के लिए चलाए जाने वाले दस्तक अभियान को लेकर जानकारी दी। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अधीक्षक डा.डु.नरेंद्र सिंह द्वारा संचारी रोगों के फैलने एव उनके रोकथाम के विषय में विस्तार से जानकारी दी गयी। उन्होंने ग्राम सचिवों से ग्राम सभा की नालियों की साफ सफाई एंटी लार्वा का छिड़काव एवं झाड़ियों की कटाई पर विशेष ध्यान देने की बात कही। उन्होंने कहा की ऐसा करने से मच्छरों को फैलने से रोक जा सकेगा तथा डेंगू मलेरिया दिमागी बुखार जैसी बीमारियों से भी बचा जा सकेगा। इस अवसर पर बी एम सी यूनीसेफ संजू झा और बी पी एम सतेंद्र कुमार को फैलने से रोकना जा सकेगा तथा डेंगू मलेरिया दिमागी बुखार जैसी बीमारियों से भी बचा जा सकेगा। इस अवसर पर बी एम सी यूनीसेफ संजू झा और बी पी एम सतेंद्र सिंह ने दस्तक अभियान की जानकारी दी। बैठक में शिक्षा विभाग, बालविकास विभाग, पंचायत विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

सज्जादा नशी का हुआ इंतकाल किए गए सुपुर्दे खाक

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। क्षेत्र के ग्राम शीलतगंज में स्थित चिरितया सिलसिले की मशहूर दरगाह खानकाहे हबीबिया के सज्जादा नशी व मशहूर प्रसिद्ध बुजुर्ग हजरत सिबगउतुल्लाह शाह उर्फ मुन्ने मियां साहब के मंगलवार को भोर पहर इंतकाल (विसाल) के बाद आज बुधवार की सुबह बाद नमाजे फजर रहमतुल्लाह शाह अलैह की मजार के बगल में ही उनको रखा गया। मालूम हो कि चिरितया सिलसिले की मशहूर दरगाह खानकाहे हबीबिया के सज्जादा नशी व मशहूर विद्वान बुजुर्ग हजरत सिबगउतुल्लाह शाह उर्फ मुन्ने मियां

साहब कई भाषाओं (जुबानों) के अच्छे जानकार थे। उनकी काबिलियत, बुजुर्गी व सादगी के चर्चे दूर-दूर तक थे। उन्होंने हमेशा राजनीति (सियासत) से परहेज किया, लेकिन कभी खानकाह पर सियासी लोगों के आने पर एग्राज नहीं किया। उन्होंने परिवार के लोगों को भी सियासत से दूर रहने की हिदायत भी दी थी। हजरत मुन्ने मियां साहब ने हमेशा कौम की तालीम और भलाई के लिए काम किया। आपकी कोशिशों से ही शीलतगंज में मंदरसा अरबिया हबीबुल उलूम की स्थापना काफी समय पहले हुई थी। और मंदरसे की मान्यता 1996-97 में मंदरसा बोर्ड से मिली थी। आपकी काबिलियत, बुजुर्गी और सादगी से प्रभावित होकर काफी बड़ी तादाद में लोग आपके मुर्तद थे। आपके चाहने वालों में हर मजहब (धर्म) के लोग हैं।

निर्माण कार्य को लेकर जिलाधिकारी ने की बैठक

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। जिलाधिकारी गौरंग राठी द्वारा विकास भवन सभागार में 50 लाख से अधिक लागत के निर्माण कार्यों की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति विस्तृत समीक्षा की गयी। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने विभिन्न विभागों से जुड़ी विकास परियोजनाओं की प्रगति के संबंध में कहा कि अधिकारी गण निर्धारित समय सीमा के अन्तर्गत निमाणाधीन परियोजनाओं को पूर्ण कराएँ साथ ही निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें। यह भी कहा कि वरिष्ठ अधिकारी गण 50 लाख की लागत से अधिक की परियोजनाओं का स्वयं निरीक्षण कर नियमित रूप से प्रगति का जायजा लेते रहें, ताकि निर्माण कार्य की गुणवत्ता प्रभावित न हो। सभी निर्माण कार्य निर्धारित समयवधि में पूर्ण कराएँ जाएँ। किसी भी निर्माण कार्य में वित्तीय अनियमितता नहीं होनी चाहिए, अन्यथा संबंधित कार्यदायी संस्था पर कार्यवाही होगी। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि



संबंधित अधिकारी गण हस्तगत परियोजनाओं को चैक कर लें, जिससे ये पता चल सके कि परियोजना संचालित है या नहीं। पूर्ण कार्य बिना किसी बिलम्ब के हस्तगत कराएँ जाएँ तथा नवीन स्वीकृत निर्माण कार्य तुरन्त शुरू कराएँ जाएँ। उन्होंने सभी कार्यदायी संस्थाओं को निर्देशित करते हुए कहा कि वृक्षारोपण अभियान के तहत प्रत्येक निर्माणधीन

परियोजना परिक्षेत्र को कबर करना सुनिश्चित करें। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी प्रेम प्रकाश मीणा, मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 सत्यप्रकाश, अधिशासी अभियंता पीडब्ल्यूडी हरदयाल अहिरवार, अधिशासी अभियंता जलनिगम अजित कुमार सिंह सहित विभिन्न कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

अचेत अवस्था मे मिली महिला की हुई मौत

पति की 6 दिन पहले हो चुकी मौत, बेटी ने मां की हत्या का लगाया आरोप

अमन लेखनी समाचार

हसनगंज, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के मोहान बांगरमऊ मार्ग पर एक महिला अचेत अवस्था में पड़ी मिली। मार्ग से गुजर रहे बिजली विभाग की जेई ने उसे देखा तो घटना की जानकारी थाना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने एम्बुलेंस की मदद से भर्ती कराया। जहां डॉक्टरों ने हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर कर दिया। अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। पोस्टमार्टम हाउस पहुंची बेटी ने चाचा पर हत्या का आरोप लगाया है फिलहाल पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है। बाता दे की हसनगंज कस्बा के रहने वाली पंकी कश्यप (45) पत्नी स्व. जगदीश कश्यप बीती रात मौतना बांगरमऊ मार्ग अचेत अवस्था में पड़ी मिली। इसी मार्ग से गुजर रहे बिजली

विभाग के एक जेई ने पड़ा देखा तो घटना की जानकारी हसनगंज कोतवाली पुलिस को दी। सूचना मिलने के बाद कोतवाली प्रभारी चंद्रकांत मिश्रा मौके पर पहुंचे और घायलावस्था में पड़ी महिला को उपचार के लिए सीएचसी हसनगंज ले गए। जहां डॉक्टरों ने हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल लेकर कर दिया। बुधवार को अस्पताल में मौत हो गई। घटना की सूचना पर मोर्ची पहुंची बेटी नैना ने बताया कि उसके पिता की 6 दिन पहले बीमारी के चलते मौत हो गई थी। जिसके बाद चाचा आधार कार्ड मंगवाकर जमीन दिलवाकर की बात कह कर मां को घर बुलाया था। उन लोगों ने ही जहर खिला दिया जिससे मां की मौत हो गई। आरोप लगाया कि वह बचपन से ही ननिहाल में रह रही है और नाना नानी ही परवरिश करते थे। फिलहाल कोतवाली प्रभारी ने मृतका के शव का पंचायतनामा कराकर पोस्टमार्टम कराया है। पीएम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारण स्पष्ट हो सकेगा।

खंड शिक्षा अधिकारी व ग्राम प्रधानों की हुई बैठक



अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर चौरासी, उन्नाव। स्थानीय क्षेत्र में संचारी रोगों पर नियंत्रण के लिए चलाए जाने वाले दस्तक अभियान को लेकर स्वास्थ्य विभाग द्वारा सतर्कता अपनाते हुए आज विकास खण्ड कार्यालय में बीडीओ के नेतृत्व में ग्राम प्रधानों एवं खण्ड शिक्षा अधिकारी के साथ बैठक आयोजित की। बैठक में स्वास्थ्य विभाग के कर्मियों द्वारा संचारी रोगों से निपटने की बात की। फतेहपुर चौरासी विकास खण्ड कार्यालय में आज बुधवार को स्वास्थ्य विभाग द्वारा खण्ड विकास अधिकारी अनिल कुमार सिंह की अध्यक्षता में क्षेत्र के विभिन्न विभागीय अधिकारियों की बैठक हुई, बैठक में स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचारी रोगों के रोकथाम के लिए चलाए जाने

वाले दस्तक अभियान को लेकर जानकारी दी। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अधीक्षक डा.डु.नरेंद्र सिंह द्वारा संचारी रोगों के फैलने एव उनके रोकथाम के विषय में विस्तार से जानकारी दी गयी। उन्होंने ग्राम सचिवों से ग्राम सभा की नालियों की साफ सफाई एंटी लार्वा का छिड़काव एवं झाड़ियों की कटाई पर विशेष ध्यान देने की बात कही। उन्होंने कहा की ऐसा करने से मच्छरों को फैलने से रोक जा सकेगा तथा डेंगू मलेरिया दिमागी बुखार जैसी बीमारियों से भी बचा जा सकेगा। इस अवसर पर बी एम सी यूनीसेफ संजू झा और बी पी एम सतेंद्र सिंह को फैलने से रोकना जा सकेगा तथा डेंगू मलेरिया दिमागी बुखार जैसी बीमारियों से भी बचा जा सकेगा। इस अवसर पर बी एम सी यूनीसेफ संजू झा और बी पी एम सतेंद्र सिंह ने दस्तक अभियान की जानकारी दी। बैठक में शिक्षा विभाग, बालविकास विभाग, पंचायत विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

प्रशासन आपके द्वार ग्राम चौपाल का हुआ आयोजन



अमन लेखनी समाचार

बीघापुर, उन्नाव। ग्राम पंचायत में प्रशासन पहुंचकर जनता की समस्या सुनकर निस्तारा करने के लिए ग्राम चौपाल का आयोजन कर विवादों का हल करने का प्रयास किया तहसील बीघापुर मुख्यालय पाटन के ग्राम पंचायत भागइत में प्रशासन ग्राम चौपाल का आयोजन ग्राम पंचायत भवन में किया जिसमें उप जिलाधिकारी क्षितिज द्विवेदी की अध्यक्षता में हुआ जिसमें तहसील प्रशासन पुलिस प्रशासन ब्लॉक के

कर्मचारी अधिकारी गण ग्राम प्रधान सुशील कुमार व सदस्य गण ग्राम पंचायत की जनता उपस्थित होकर प्रार्थना पत्र के माध्यम से अधिकारियों को अपनी समस्या बताई जिसमें वरासत पेंशन राशन कार्ड कृषि संबंधित विवाद आदि प्रमुख रूप से छाप रहे वही तहसीलदार न्यायालय में विचाराधीन धारा 67 उत्तर प्रदेश राजस्व निर्णय संधिता 2006 के अंतर्गत विवादाित वादो का मौका मुचाइना किया और कहा कि मैं शीघ्र यहां के जो भी वाद हैं उनको निस्तारित कर दूंगी।

खण्ड विकास अधिकारी ने की समीक्षा बैठक

अमन लेखनी समाचार

बीघापुर, उन्नाव। विकास खण्ड बीघापुर के मीटिंग हाल में खण्ड विकास अधिकारी विनोदमणि त्रिपाठी ने ग्राम पंचायतों में विभिन्न विकास कार्यों की समीक्षा की जिसमें ग्राम पंचायत अधिकारी, ग्राम रोजगार सेवक, तकनीकी सहायक, समाज कल्याण अधिकारी, सहायक विकास अधिकारी पंचायत, मध्यापना बाबू मौजूद रहे बैठक में मुख्य रूप से बीडीओ ने मनरेगा के कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिये अमृत सरोवर तालाब, पेंशन सत्यापन, योग दिवस के उपलक्ष्य में अपनी अपनी ग्राम पंचायतों में संस योग शिविर आयोजित करने व अधिक से अधिक लोगो को जागरूक करने के निर्देश दिये, जिन विद्यालयों को बाउंड्री वाल बनवाई जानी है उनका नाम कार्ययोजना में जोड़ कर कार्य प्रारंभ कराने के निर्देश दिये आवासो की स्थिति की भी समीक्षा की गयी व लापरवाही होने कड़ी

कार्यवाही की चेतावनी भी दी गयी बैठक में अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी पीव्ही गुप्ता ने ग्राम रोजगार सेवकों व तकनीकी सहायकों से बिंदुवार मनरेगा सम्बंधित कार्यों पर चर्चा की बैठक में अनुपस्थित व मनरेगा कार्यों में लगातार लापरवाही करने के कारण ग्राम रोजगार सेवक आशीष यादव को कारण बताओ नोटिस जारी की गयी है बैठक में सहायक विकास अधिकारी प्रताप नारायण द्विवेदी, प्रवेन्द्र कुमार, हरीशंकर, एकाउंटेंट धर्मेन्द्र, सचिव पवन मोर्य, सुमिया सिंह, परल्लवी शुक्ला, वेद, हिमांशु यादव, प्रकाश सिंह, अनुप भदौरिया, तकनीकी सहायकों में विष्णु कुमार, अजय पटेल, सुरेश बाबू, ग्राम रोजगार सेवकों में रामजी यादव, गोविंद शंकर, शाशिकांत शुक्ला, नरेंद्र, वीरेंद्र, अभिषेक, नीतू, रूबी, अनीता, कम्यूटर ऑपरटर शैलेश कुमार चौरासीया, अश्वपति गुप्ता मौजूद रहे।

दोस्तो के साथ गंगा में स्नान कर रहे किशोर की पानी में डूबने से मौत

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। जाजमऊ चंदन घाट पर साथियों के साथ कानपुर का रहने वाला एक किशोर गंगा नहाने के लिए आया था। यहां वह गहरे पानी में चला गया। किशोर के डूबने की सूचना पुलिस को दी गई। इस पर गांताखोरों को बुलाकर किशोर को बाहर निकाला गया, जहां उसकी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है। असम राज्य में रहने वाला शकूर

अली कानपुर जाजमऊ के जगई पुरवा में परिवार के साथ रहकर एक टेनर में काम करता है। उसका बेटा सुकचांद अली (16) अपने साथी हसन, सनीदुल्ल, मजीदुल्ल के साथ कानपुर लखनऊ नेशनल हाईवे स्थित जाजमऊ चंदन घाट नहाने आया था। नहाने के दौरान गहरे पानी में वह डूबने लगा, जिसको बचाने के लिए साथियों ने शोर मचाया। गोताखोरों ने कड़ी मशकत से निकाला शव घाट के पास मौजूद लोग भागकर पहुंचे, लेकिन तब तक

किशोर डूब चुका था। जानकारी जाजमऊ चौकी पुलिस और किशोर के परिजनों को दी गई। शकूर अली अन्य परिजनों के साथ घाट पर पहुंचे, जहां पुलिस ने शुक्लगंज के गोताखोर शकील, हलीम, कलीम आदि की गंगा में किशोर खोजने के लिए लगाया। करीब तीन घंटे की कड़ी मशकत के बाद गोताखोरों ने किशोर का शव बाहर निकाल लिया। शव देखकर परिजनों में कोहमम मच गया। पुलिस शव कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई की।

55 वाहनों के परमिट किए गए निरस्त

उन्नाव। अपर जिलाधिकारी वित्त राजस्व नरेन्द्र सिंह ने बताया है कि जिलाधिकारी के निर्देशन में जनपद उन्नाव के अन्तर्गत प्रदेश के अन्य जनपदों एवं अन्य प्रदेशों से आने वाले उपखनिजों (बालू/मोरंग/गिट्टी) से लदे वाहनों से किये जा रहे अवैध परिवहन की रोकथाम हेतु विभाग के अधिकारियों द्वारा एफ के माध्यम से आनलाइन चालान किए जा रहे है। विभागीय इंफाल्टर चले गये है। इससे 55 वाहनों के कुल-139 चालान डिफाल्टर पाये गये है। इन्होंने बताया है कि मुख्य सचिव उ0प्र0 शासन, परिवहन अनुभाग-3, लखनऊ द्वारा दिए गए निर्देशों के क्रम में अवैध खनन/परिवाहन पर प्रभावी नियंत्रण के उद्देश्य को दृष्टिगत रखते हुए विभागीय एफ के माध्यम से जनपद में किये गये आनलाइन चालान के उपरोक्त डिफाल्टर 55 वाहनों को ब्लैक लिस्ट/परमिट निरस्त किये जाने हेतु परिवहन विभाग, उन्नाव, लखनऊ, बाराबंकी, फतेहपुर, कानपुर देहात, कानपुर नगर, हमीरपुर, जालौन एवं झांसी को पत्र प्रेषित किया गया है।

सम्पादकीय

डीआरडीओ की उपलब्धियों से सुरक्षित हो रहा देश

भारतीय रक्षा अनुसंधान संस्थान ने अपने खाते में एक और उपलब्धि जोड़ ली है। संस्थान ने देश की सबसे हल्की बुलेट प्रूफ जैकेट बनाई है। पॉलिमर बैकिंग और मोनोलिथिक सिरेमिक प्लेट से तैयार की गई इस जैकेट को छह स्नाइपर गोलियां भी भेद नहीं सकीं। जैकेट का इन-कंजक्शन और स्टैंडअलोन डिजाइन सैनिकों को गोला-बारूद से सुरक्षा प्रदान करेगा। कानपुर में तैयार इस जैकेट की टेस्टिंग चंडीगढ़ में की गई। इस जैकेट को पहनने के बाद न केवल सैनिक सुरक्षित रहेंगे, बल्कि उनका मनोबल भी बढ़ेगा। इसके अलावा ये खोज डिफेंस सेक्टर में आत्मनिर्भरता की ओर भी बड़ा कदम है। भारतीय सेना के प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने भी इस खोज पर डीआरडीओ को बधाई दी है। यह पहली बार नहीं है जब संस्थान ने रक्षा क्षेत्र में कोई बड़ी उपलब्धि हासिल की है। इससे पहले भी अनेक अनुसंधान कार्यों को अंजाम दिया है। वैमानिकी, हथियार, इलेक्ट्रॉनिक्स, युद्धक गाड़ियां, इंजीनियरिंग सिस्टम, मिसाइल, अडवांस्ड कंप्यूटिंग और सिमुलेशन, नौसेना प्रणाली, लाइफ साइंस, इन्फर्मेसन सिस्टम और कृषि विकास में भी इसका अहम योगदान है। कौन भूल सकता है 1983 को जब भारत ने एकीकृत निर्देशित मिसाइल विकास कार्यक्रम को लॉन्च किया था। इसका उद्देश्य आत्मरक्षा के लिए मिसाइलों के विकास को अनुसंधान करना था। मिसाइल टेक्नॉलोजी के मैदान में भारत की प्रगति को देखकर अंतरराष्ट्रीय संस्थान एमटीसीआर ने इस पर रोक लगा दी। तकनीक तक भारत पहुंचने से रोक दी गई, लेकिन ये प्रतिबंध देश की इच्छाशक्ति में बाधक नहीं बन पाए। भारत ने एक के बाद एक स्वदेशी पृथ्वी, त्रिशूल, आकाश और नाग मिसाइलों का सफलतापूर्वक परीक्षण किया, जिसमें आकाश, अग्नि एक, दो, तीन, पांच, पृथ्वी एक, दो, तीन, त्रिशूल, नाग के अलावा कई और नाम शामिल हैं। केवल इतना ही नहीं भारतीय रक्षा अनुसंधान संस्थान ने एक राडार भी विकसित किया है। इसका नाम है दिव्यचक्षु। यह तस्वीर लेने वाला राडार है। इसकी मदद से 20 से 30 सेंटीमीटर मोटी दीवार के पार की तस्वीर भी ली जा सकती है। भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा बंधकों को बचाने के अभियान में इसका इस्तेमाल किया जाता है। ऐसे ही 2010 में डीआरडीओ ने एक प्लास्टिक ग्रेनेड विकसित किया। इसे मिर्ची बम भी कह सकते हैं। यह जानलेवा बम नहीं है। इसमें भूत जोलोकिया नाम की दुनिया की सबसे तीखी मिर्च का पाउडर इस्तेमाल किया जाता है। यह छिपे हुए आतंकवादियों को बाहर निकालने में काफी कारगर है। भूत जोलोकिया नाम की मिर्च का उत्पादन असम में होता है। इसी को लेकर यह तैयार किया गया है। संस्थान ने दुग्धनों के लिए सबसे बड़ा बम बनकर उभरी ब्रह्मोस मिसाइल को रूस के साथ मिलकर तैयार किया है। इसका नाम भारत की ब्रह्मपुत्र नदी और रूस की भस्करा नदी पर रखा गया है। यह राडार को चकमा दे सकने वाला एक सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल है। इसे पनडुब्बी से, पानी के जहाज से, विमान से या जमीन से भी छोड़ा जा सकता है। डीआरडीओ को इस बात का श्रेय जाता है कि भारत दुनिया का एकमात्र देश है जिसकी थलसेना, नौसेना और वायुसेना में सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलें शामिल हैं, लेकिन इतनी कामयाबी का मतलब यह तो कतई नहीं हो सकता कि सब हो गया। अभी बहुत कुछ किया जाना शेष है। जैसे-जैसे हम उन्नत होवें जैसे खतरे भी बढ़ेंगे। इसके लिए जरूरी है कि हर तरह की तैयारी रखी जाए।

हिंदू साम्राज्य दिवस (20 जून) पर विशेष



-प्रो.संजय द्विवेदी

हिंदी दैनिक अमन लेखनी लखनऊ

शिवाजी का नाम आते ही शौर्य और साहस की प्रतिकृति का एहसास होता है। अपने सपनों को सच करके उन्होंने खुद को न्यायपूर्ण प्रशासक रूप में स्थापित किया। इतिहासकार भी मानते हैं कि उनकी राज करने की शैली में परंपरागत राजाओं और मुगल शासकों से अलग थी। वे सुशासन, समरसता और न्याय को अपने शासन का मुख्य विषय बनाने में सफल रहे। स- 1674 में ज्येष्ठ शुक्ल त्रयोदशी के दिन शिवाजी का राज्याभिषेक हुआ। यह दिन हिंदू साम्राज्य दिवस के रूप में मनाया जाता है। बिखरे हुए मराठों को एक सूत्र में पिरोकर उन्होंने जिस तरह अपने सपनों को साकार किया वह प्रेरित करने वाली कथा है। एक अप्रतिम सैनिक, कूटनीतिज्ञ, योद्धा के साथ ही वे कुशल रणनीतिकार के रूप में भी सामने आते हैं। वे अपनी मां जीजाबाई और गुरु के प्रति बहुत श्रद्धाभाव रखते थे। शायद इन्हीं समर्पित मानवीय गुणों से वे ऐसे शासक बने जिनका कोई पर्याय नहीं है।

इतिहासकार ईश्वरी प्रसाद कहते हैं- हूंप्रशासन की उनकी प्रणाली कई क्षेत्रों में मुगलों से बेहतर थी। इतिहास के पन्नों में ऐसा शासक कभी-कभी आता है, जिसने लोकमन में जगह बनाई हो। शिवाजी एक ऐसे शासक हैं जिनके प्रति उनकी प्रजा में श्रद्धाभाव साफ दिखता है क्योंकि

लोकमंगल ही उनके शासन का मूलमंत्र था। उनकी राज्य प्रणाली, प्रशासन में आम आदमी के लिए, स्त्रियों के लिए, कमजोर वर्गों के लिए ममता है, समरसता का भाव है। वे न्यायपूर्ण व्यवस्था के हामी हैं। प्रख्यात इतिहासकार डा. आरसी मजूमदार की मानें तो हूशिवाजी न केवल एक साहसी सैनिक और सफल सैन्य विजेता थे, बल्कि अपने लोगों के प्रबुद्ध शासक भी थे। हू बाद के इतिहासकारों ने तमाम अन्य भारतीय नायकों की तरह शिवाजी के प्रशासक स्वरूप की बहुत चर्चा नहीं की है। आज भारतीय पुनर्जागरण का समय है और हमें अपने ऐसे नायकों की तलाश है, जो हमारे आत्मविश्वास को बढ़ा सकें। ऐसे समय में शिवाजी की शासन प्रणाली में वे सूत्र खोजे जा सकते हैं, जिससे देश में एकता और समरसता की धारा को मजबूत करते हुए समाज को न्याय भी दिलाया जा सकता है। शिवाजी अपने समय के बहुत लोकप्रिय शासक थे। उन पर जनता की अगाध आस्था दिखती थी। साथ ही उनके राजतंत्र में बहुत गहरी लोकतांत्रिकता भी दिखती है। क्योंकि वे अपने विचारों को थोपने के बजाए या राजा की बात भगवान की बात है ऐसी सोच के बजाए अपने मंत्रियों से सलाहें लेते रहते थे। विचार-विमर्श उनके शासन का गुण हैं। जिससे वे शासन की लोकतांत्रिक चेतना को सम्यक भाव से रख पाते हैं।

शिवाजी ऐसे शासक हैं जो सत्ता के विकेंद्रीकरण की वैज्ञानिक विधि पर काम करते हुए दिखते हैं। समाज के सभी वर्गों, जातियों, सामाजिक समूहों की अपनी सत्ता में वे भागीदारी सुनिश्चित करते हैं, जिनमें मुसलमान भी शामिल हैं। उन्होंने मंत्रियों को अलग-अलग काम सौंपे और उनकी जिम्मेदारियां तय कीं ताकि अनुकूल परिणाम पाए जा सकें। वे परंपरा से अलग हैं इसलिए वे अपने नागरिकों या सैन्य अधिकारियों को कोई जागीर नहीं सौंपते। किलों (दुर्ग) की रक्षा के लिए उन्होंने व्यवस्थित संरचनाएं खड़ी की ताकि संकट से जुझने में वे सफल हों। रक्षा और प्रशासन के मामलों को उन्होंने सजगता से अलग-अलग रखा और सैन्य अधिकारियों के बजाए प्रशासनिक अधिकारियों को ज़्यादा अधिकार दिए। उनकी यह सोच बताती है नागरिक प्रशासन उनकी चिंता के केंद्र में था। उन्होंने राजस्व प्रणाली में व्यापक सुधार करते हुए किसानों से सीधा संपर्क और

संबन्ध बनाने में सफलता पाई। उन्होंने केंद्रीय प्रशासन और प्रांतीय प्रशासन की साफ रचना खड़ी और उनके अधिकार व कर्तव्य भी सुनिश्चित किए। उन्होंने अष्ट प्रधान नाम से केंद्रीय मंत्रियों की टोली बनाई जिसमें आठ मंत्री थे। उनमें कुछ पेशवा कहे गए जो वरिष्ठ थे। चार प्रांतों विभक्त शिवाजी की राज्य रचना एक अनोखा उदाहरण थी। प्रत्येक प्रांत को जिलों और गांवों में बांटा गया था। गांव का प्रमुख देशपाण्डेय या पटेल कहलाता था। शिवाजी गांवों में राजस्व प्रणाली को वैज्ञानिक बनाने का काम किया और उनको किसानों के लिए उपयोगी बनाया। इस व्यवस्था में किसान किस्तों में भी भुगतान कर सकते थे। राज्यस्व अधिकारियों पर नियंत्रण रहे इसलिए नियमित उनके खातों की गहन जांच भी की जाती थी। उन्होंने न्यायिक प्रशासन को भी जवाबदेह बनाया।

शिवाजी स्वयं योद्धा थे। जाहिर तौर पर उनकी सैन्य प्रणाली बहुत अग्रगामी थी। पूर्व की परंपरा में सैनिक छः माह काम करते थे फिर छः माह दूसरे कामों से अपना जीवन यापन करते थे। शिवाजी ने नियमित सेना को स्थापित किया, उन्हें पूरे साल सैनिक जीवन जीना होता था। सैनिकों को नियमित भुगतान के साथ उनकी योग्यता और देशभक्ति के आधार पर जगह मिलने लगी। शिवाजी ने लगभग 280 किलों के माध्यम से अभेद्य रचना खड़ी की। उनकी सेना में कठोर अनुशासन था। सेना में सभी वर्गों के सैनिक थे। 700 से अधिक मुस्लिम भी उनकी सेना में थे। अपने सैनिकों को उन्होंने गुरिल्ला युद्ध में प्रशिक्षित कर बड़ी सफलताएं पाईं। मृत सैनिकों के परिजनों का खास ख्याल रखा जाता था। इसके साथ ही उन्होंने बहुत अनुशासित सेना खड़ी की। सेना में अनुशासन बनाए रखने के लिए शिवाजी बहुत सख्त थे। महिलाओं और बच्चों को मारना या प्रताड़ित करना, ब्राह्मणों को लूटना, खेती को खराब करना आदि युद्ध के दौरान भी दंडनीय अपराध थे। अनुशासन के रखरखाव के लिए विस्तृत नियम सख्ती से लागू किए गए थे। किसी भी सैनिक को अपनी पत्नी को युद्ध के मैदान में ले जाने की अनुमति नहीं थी। शिवाजी ने अपनी सेना को सब तरह से सुसज्जित किया जिसमें छह विभाग थे। जो इस प्रकार हैं- युद्धस्वार सेना, पैदल सेना, ऊंट और हाथी बटालियन, सप्तांत्रण और नौसेना। यह विवरण बताता है कि उनका राज्यतंत्र किस तरह लोगों की सुरक्षा और शांति के लिए काम कर रहा था। वे प्रेरित करने वाले नेता था। इसलिए उनकी

शक्ति बढ़ती चली गयी। उनके कट्टर दुश्मन औरंगजेब को स्वयं स्वीकार करना पड़ा कि रमेरी सेनाओं को उन्नीस वर्षों से उनके खिलाफ काम में लगाया गया है और फिर भी उनकी (शिवाजी की) स्थिति हमेशा बढ़ती रही है।

शिवाजी जी ने अपनी जंग मुगलों के विरुद्ध लड़ी, किंतु वे सामाजिक समरसता और सामाजिक न्याय के मंत्रदृष्ट थे। उन्होंने कभी किसी जाति और धर्म के विरुद्ध कभी कुछ न किया, न ही कहा। उनके शासन में सभी सुखी थे क्योंकि वे सबको अपना मानते थे। अपनी आठ सदस्यीय केंद्रीय मंत्रिपरिषद में उन्होंने सात ब्राह्मणों को जगह दी। वे बेहद सहिष्णु हिंदू शासक थे। उन्होंने साफ कहा कि वे हिंदुओं, ब्राह्मणों और गांवों के रक्षक हैं। उन्होंने सभी पंथों और उनके ग्रंथों के प्रति अपना सम्मान प्रदर्शित किया। किसी मस्जिद को अपने राज में कभी कोई नुकसान नहीं पहुंचाया न पहुंचने दिया। युद्ध के दौरान महिलाओं और बच्चों के सम्मान और सुरक्षा उनकी चिंता का मूल विषय थे।

मुस्लिम महिलाओं को सम्मान देने की उनकी अनेक कथाएं बहुरथ हैं। उन्होंने मुस्लिम विद्वानों और आलिमों को हमेशा आर्थिक मदद दी। सरकारी विभागों में उन्होंने मुस्लिम अधिकारियों को नियुक्त किया। औरंगजेब द्वारा सभी हिंदुओं पर जजिया कर लगाने पर शिवाजी ने उसे एक पत्र भी लिखा। बहुत खराब सामाजिक परिस्थितियों और मुगल शासकों द्वारा हिंदु विरोधी कृत्यों के बाद भी शिवाजी ने अपने राज्य में मुस्लिम जनता को कभी पराएपन का एहसास नहीं होने दिया और उनका संरक्षण किया। उन्होंने यह नियम ही बना दिया था कि किसी भी युद्ध, छापामार युद्ध में महिलाओं, मस्जिदों और पवित्र पुस्तक कुरान को कोई नुकसान नहीं पहुंचना चाहिए।

शिवाजी ऐसे भारतीय शासक के रूप में सामने आते हैं, जिसने अपनी बाल्यावस्था में जो सपना देखा, उसे पूरा किया। भारतीय समाज में आत्मविश्वास का मंत्र फूँका और भारतीय लोकचेतना के मानकों के आधार पर राज्य संचालन किया। मुस्लिम और धर्म पर आस्था रखते हुए उन्होंने जो मानक बनाए वे आज भी प्रेरित करते हैं। ऐसे महापुरुष सदियों में आते हैं, जिनका व्यक्तित्व और कृतित्व लंबे समय तक लोगों के लिए आदर्श बन जाता है।

(लेखक भारतीय जन संचार संस्थान के पूर्व महानिदेशक हैं)

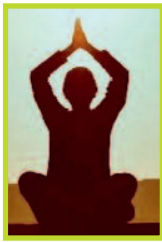
अरविंद जयतिलक



मलेरिया से निपटने की चुनौती

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की मानें तो पूरी दुनिया में मलेरिया के कुल मामलों में से 80 प्रतिशत भारत और 15 प्रतिशत उप सहारा अफ्रीकी देशों से होते हैं। चिकित्सा पत्रिका लासैट द्वारा भी कहा जा चुका है कि भारत में हर साल दो लाख से अधिक लोगों की मौत मलेरिया से होती है। इस पत्रिका की मानें तो यह आंकड़ा विश्व स्वास्थ्य संगठन के पास कर्त्तविक और अस्पतालों में होने वाली मौतों की संख्या के आंकड़े के आधार पर है, जबकि बड़ी संख्या में मलेरिया से लोगों की मौतें घरों में होती हैं। उल्लेखनीय है कि भारत में मलेरिया उन्मूलन के प्रयास वर्ष 2015 में शुरू किए गए तथा वर्ष 2016 में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के नेशनल प्रेमवर्क फॉर मलेरिया एलिमिनेशन की शुरुआत के बाद इन प्रयासों में और अधिक तेजी आई। मलेरिया उन्मूलन के लिए राष्ट्रीय रणनीतिक योजना (2017-2022) जुलाई 2017 में शुरू की गई, जिसके अपेक्षित परिणाम मिलने शुरू हो गए हैं। 2003 में राष्ट्रीय ज्ञात कारण बीमारी नियंत्रण कार्यक्रम यानी एनबीबीडीसीपी के तहत मलेरिया नियंत्रण को अन्य ज्ञात-कारण बीमारियों के साथ मिला लिया गया। क्योंकि ऐसी सभी बीमारियों की रोकथाम के लिए एक ही रणनीति होती है जैसे रासायनिक नियंत्रण, वातावरण प्रबंधन, जैविक नियंत्रण और निजी सुरक्षा उपाय। उल्लेखनीय है कि 2005 में भारत में शुरू किए गए राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन का उद्देश्य भी मलेरिया सही सभी ज्ञात बीमारियों पर नियंत्रण लगाना है। ध्यान देना होगा कि विश्व बैंक के सहयोग से 1997 तथा 2005 के मध्य आईडीए साख द्वारा अंशतः वित्तीय सहायता प्राप्त एक मलेरिया नियंत्रण परियोजना चुनिंदा राज्यों एवं जिलों में लागू की गई थी। उल्लेखनीय है कि मलेरिया पर पहले पहल गंभीर वैज्ञानिक अध्ययन 1880 में हुआ था जब एक फ्रांसीसी सैन्य चिकित्सक चार्ल्स लुई अल्फोंस लैवेनर ने अल्जीरिया में काम करते हुए पहली बार लाल रक्त कोशिका के अंदर परजीवी को देखा था। मलेरिया प्रमुख रूप से वातावरण एवं जलवायु पर निर्भर करता है। हाल के दिनों में जलवायु परिवर्तन के मद्देनजर मलेरिया में भी बदलाव देखे गए हैं। गौर करें तो मलेरिया प्रतिवर्ष 40 से 90 करोड़ बुखार के मामलों का कारण बनता है, वहीं इससे 10 से 30 लाख मौतें हर वर्ष होती हैं। इनमें से ज्यादातर पांच वर्ष से कम आयु वाले होते हैं। यह विडंबना ही कहा जायगा कि संक्रमण रोकने के प्रयास तथा इलाज करने के प्रयासों के बावजूद 1992 के बाद इसके मामलों में अभी तक अपेक्षित सफलता हाथ नहीं लगी है। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर मलेरिया की वर्तमान प्रसार दर इसी तरह बनी रही तो अगले 20 वर्षों में मृत्यु दर दोगुनी हो सकती है। विशेषज्ञों की मानें तो मलेरिया से जुड़े आंकड़े ज्ञात आंकड़ों से कई गुना अधिक होते हैं, इसलिए कि इसके अधिकांश रोगी ग्रामीण इलाकों में रहते हैं। मलेरिया के वैश्विक फैलाव पर नजर दौड़ाए तो यह रोग भूमध्य रेखा के दोनों तरफ विस्तृत क्षेत्र में फैला हुआ है। मलेरिया के विस्तार पर गौर करें तो सूखे क्षेत्रों में इसके प्रसार का वर्षों की मात्रा से गहरा संबंध होता है। डंगू बुखार के बनिस्वत यह शहरों की अपेक्षा गांवों में ज्यादा फैलता है। उदाहरण के लिए वियतनाम, लाओस और कंबोडिया के नगर मलेरिया मुक्त हैं, जबकि इन देशों के गांव मलेरिया से बुरी तरह प्रभावित हैं। यहां ध्यान देना होगा कि मलेरिया सामाजिक-आर्थिक जीवन पर बुरी तरह प्रभाव डाल रहा है। यह गरीबी और आर्थिक विकास में अवरोध का कारण बनता जा रहा है। यह पाया गया है कि जिन क्षेत्रों में मलेरिया का ज्यादा प्रभाव है, वहां यह नकारात्मक आर्थिक प्रभाव डाल रहा है। यदि प्रति व्यक्ति जीडीपी की तुलना यदि 1995 के आधार पर करें तो मलेरिया मुक्त क्षेत्रों और मलेरिया प्रभावित क्षेत्रों में इसमें पांच गुना अंतर नजर आता है। शोध में यह पाया गया कि जिन देशों में मलेरिया फैलता है उनके जीडीपी में 1965 से 1990 के मध्य केवल प्रतिवर्ष 0.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई और मलेरिया से मुक्त देशों में यह वृद्धि 2.4 प्रतिशत पाई गई। मलेरिया के कारण केवल अफ्रीका में ही प्रतिवर्ष 15 अरब अमेरिकन डॉलर का नुकसान हो रहा है। भारत की बात करें तो यहां भी मलेरिया से निपटने में हर वर्ष हजारों करोड़ रुपया खर्च हो रहा

साधना से ही मिलता है वास्तविक सुख



संकलित

दर्शन

अधिकांश व्यक्ति आज भौतिक मूल्यों के उपासक बन गए हैं। इस कारण जीवन के धर्म एवं मर्म को भुला बैठे हैं। उनकी इस उपासना ने दुनिया के बाह्य जगत को बड़ा सुहावना, लुभावना और आकर्षक बना दिया है। भौतिक वास्तविक सुख आंतरिक सौंदर्य, अंतर्जात की जागृति एवं अंतर्ज्ञान से ही संभव है। भौतिक आकर्षण के पीछे मनुष्य दौड़ रहा है। यदि वह क्षण भर रुककर गंभीरता से सोचे तो उसे पता चलेगा कि यह सब भ्रम जाल है। जीवन वह नहीं, जिसे वह जी रहा है। संत एकनाथ ने कहा है कि धन जोड़कर भक्ति का दिखावा करने से कोई लाभ नहीं, क्योंकि ऐसा करने से मन में वासना और भी बढ़ जाएगी और जिनका चित्त वासना में फंसा हुआ है, उन्हें अंतरात्मा के दर्शन कैसे हो सकवें हैं। वास्तविक सुख पाने के लिए व्यक्ति भक्ति यानी साधना की ओर प्रवृत्त होता है। स्थायी सुख की प्राप्ति भक्ति पर ही निर्भर है। भक्ति से मन को वश में करना है और मन को वश में करने का सरल उपाय है उसे परमात्मा के हेतु निरंतर भले कार्यों में लगाए रखना। महात्मा गांधी ने प्रेमा बहन के नाम लिखे पत्र में लिखा है-जो लोग कृष्ण-कृष्ण कहते हैं वे उसके पुजारी नहीं हैं। जो उनका काम करते हैं, वे ही पुजारी हैं। रोटी-रोटी कहने से पेट नहीं भरता, अपितु रोटी खाने से ही भरता है। मन को वश में लाने का अश्यास अनेक प्रकार का होता है। इन अश्यासों की ही भक्ति यानी साधना कहा गया है।



संकलित

प्रेरणा

अंतर्मन



करंट अफेयर

सीनेट में टिकटॉक पर जरूरी विधेयक पारित

अमेरिकी संसद के सीनेट में मंगलवार को एक विधेयक पारित किया गया जो प्रतिबंध लगाने की धमकी के साथ टिकटॉक की बिक्री के लिए इसका स्वामित्व रखने वाली चीनी कंपनी को मजबूर कर देगा। इस विधेयक को हस्ताक्षर के लिए अब राष्ट्रपति जो बाइडन के पास भेजा जाएगा। इस विधेयक के पारित होने के तुरंत बाद एक बयान जारी करके बाइडन ने अमेरिका की वृद्धि कर वृद्धि पर बुधवार को हस्ताक्षर करके। अमेरिकी संसदों के इस विवादस्पद कदम को जहां कानूनी चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है, वहीं इससे सामग्री का सूजन करने (कंटेंट क्रिएटर) वाले उन लोगों के परेशानियां पैदा होने की आशंका है



आज की पाती

लोक लुभावने नारों में नहीं आएगी जनता

कांग्रेस और मोदी सरकार के विरोधी सूत्रों राजनीतिक दलों ने अपने घोषणापत्र पेश किए हैं। उन्हें जनहित और देशहित कम, मोदी सरकार की नीतियों का विरोधी जवादा बताया जा रहा है। यह बिल्कुल माना जा सकता है कि मोदी के विरोधी राजनीतिक दलों ने अपने-अपने घोषणा पत्र में मोदी सरकार की नीतियों का खुलकर विरोध किया है और अगर ये सत्ता में आते हैं तो मोदी सरकार की लगभग सभी योजनाओं और नीतियों में बदलाव करेगे, लेकिन यह कोई नई बात नहीं है। प्रायः सभी दल पिछली सरकार की योजनाओं और नीतियों को बंद करते हैं या फिर उनमें थोड़ा-बहुत बदलाव कर उन पर अपना लेवल विपकों की कोशिश करते हैं।

- सतीश रावत, राजनांदगांव

ऑफ बीट

दुबई की देहशाशा बारिश क्लाउड सीडिंग नहीं

जिस परियोजना का मैं हिस्सा था, उसे रेन (नेल्सपूट में रेन ऑप्टिमाइजेशन) नाम दिया गया था, वह एक क्लाउड सीडिंग प्रयोग था जो कई वर्षों से चल रहा था। क्लाउड सीडिंग में छोटे कणों को बादल में जोड़ा जाता है ताकि नमी को कुछ आधार मिल सके और बूंद बन सके। धीरे-धीरे वे बूंद आपस में जुड़ जाती हैं और इतनी भारी हो जाती हैं कि बारिश के रूप में गिर सकती हैं। सिद्धांत रूप में, 'बीकयुवत' बादलों में बारिश के लिए उपयुक्त अधिक बूंद उगंभी। कोई भी उड़ान बीजारोपण के प्रभावी होने का प्रमाण नहीं है। ऐसा कोई सम्मान बादल नहीं है जिसके साथ किसी विशेष बादल को बने के परिणाम की तुलना की जा सके।

टैंड

शिखर सम्मेलन पर चर्चा

राजदूत उमर हिलाल मोहम्मद सुयूत राफ, और फिलिप फिडेल्वे, बेलिजटम के साथ सुयूत राफ, दो युएन के सह-सुविधाकर्ता के रूप में 2025 में विश्व सामाजिक शिखर सम्मेलन पर उनके कार्य पर चर्चा करके सुधी हुई।

- डॉ. ट्रेड्रेस, डब्ल्यूएचओ महानिदेशक

कर कटौती खत्म होगी

जेनेरल ट्रंप को आपनी 2 ट्रिलियन डॉलर की कर कटौती पर बहुत गर्व था, जिससे सबसे बड़े निगमों को भारी लाभ हुआ और संघीय ऋण में वृद्धि हुई। वह कर कटौती समाप्त होने वाली है। अगर नै दोबारा तुलना जाता है, तो यह समाप्त हो जाएगा।

- जो बाइडन, अमेरिकी राष्ट्रपति

केक काटकर अरखा लगा

मेरे जन्मदिन सप्ताह की शुरुआत करने का यह कैसा तरीका है! मुझे फुटबॉल खेलने, कहांनीं साइरा करने और इन लड़कियों के साथ केक काटने में बहुत काज आया, जिन्हें एथिन तैदुलकर फाउंडेशन का समर्थन प्राप्त है। वे मुझे शुक्राकाजनाए देते वाले पहले व्यक्ति थे।

-सथिन तैदुलकर, क्रिकेटर

जिंदगी बदली जा सकती थी

नदर मोदी ने अपने अरबापति मित्रों का 16 लाख करोड़ रुपया कर्ज माफ किया है। इतने पैसों से 16 करोड़ युवाओं को 1 लाख रुपये साल की लौकरी मिल सकती थी। 16 करोड़ महिलाओं को 1 लाख रु. साल देकर उनके परिवारों की जिंदगी बदली जा सकती थी।

-राहुल गांधी, कांग्रेस नेता

संक्षेप

स्वरोजगार ऋण के लिए लक्ष्य किया गया निर्धारित

अमन लेखनी समाचार
उन्नाव। परियोजना अधिकार डूडा अरविन्द सिंह ने बताया है डूडा द्वारा संचालित दीन दयाल अन्वोदय राष्ट्रीय आजीविका मिशन (डे-एनयूएएम) के उपघटक स्वरोजगार ऋण कार्यक्रम के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2024-2025 हेतु शासन/सूडा द्वारा नगर पालिका परिषद उन्नाव, गंगाघाट एवं बांगरमऊ के लिए लक्ष्य निर्धारित किये गये हैं उक्त नगर निकाय के निवासियों को सूक्ष्म उद्यम प्रारम्भ करने अथवा स्वरोजगार/व्यवसाय वृद्धि हेतु रुपए दो लाख तक का व्यक्तिगत ऋण तथा दस लाख रुपए तक का समूह ऋण बैंक के माध्यम से उपलब्ध कराया जाना है जिसमें योजना के नियमानुसार सात प्रतिशत से अधिक लगने वाला ब्याज सब्सिडी के रूप में भारत सरकार द्वारा दिया जाता है। योजनान्तर्गत लाभ प्राप्त करने हेतु आवश्यक अभिलेख निम्नानुसार हैं- आधार कार्ड, निवास प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र एक लाख ₹0 से कम, जाति प्रमाण पत्र (तहसील द्वारा जारी हो) बैंक पासबुक की छायाप्रति, राशन कार्ड की छायाप्रति, चार पासपोर्ट साइज नवीनतम फोटो, शैक्षिक प्रमाण पत्र की छायाप्रति, 10 ₹0 का स्टाम्प पेपर का शपथ पत्र, उद्यम रजिस्ट्रेशन प्रमाण पत्र, दुकान/प्रतिष्ठान की फोटोग्राफ। उन्नावें बताया है कि इच्छुक व्यक्ति डूडा कार्यालय विकास भवन, उन्नाव कम्पा नं0 19 में उपरोक्त अभिलेखों सहित किसी भी कार्य दिवस में शहर मिशन प्रबन्धक डूडा उन्नाव से सम्पर्क कर सकते हैं।

अधिवक्ता की मां के निधन पर शोक

उन्नाव। सेंट्रल बार एसोसिएशन संघ ने अलग अलग शोक सभा कर बार के शिव कुमार वर्मा की माता के निधन पर शोक संवेदान व्यक्त की व न्यायिक कार्य से विरत रहे तहसील बोधापुर मुख्यालय पाटन अधिवक्ता शिवकुमार वर्मा एडवोकेट की माता का आकस्मिक निधन हो जाने पर सेंट्रल बार एसोसिएशन संघ के अध्यक्ष विनय कुमार शुक्ला व बोधापुर बार एसोसिएशन संघ के मंत्री सुरेश पटेल ने सभा कर 2 मिनट का मोन रखकर मृत आत्मा की शांति के लिये प्रार्थना की वहीं सभी न्यायालयों में प्रस्ताव भेज कर अधिवक्तागण न्यायिक कार्य विरत रहें

गोमती नदी में डूबकर युवक की मौत

अमेठी जिला, अमेठी में बकरी चराने गया युवक भीषण गर्मी के कारण गोमती नदी में नहाने कूद पड़ा। जहां गहरे पानी में डूबकर उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद शव को नदी से निकालकर कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम के लिये भेज मामले की जांच शुरू कर दी है। ये पूरा मामला बाजार शुकुल थाना क्षेत्र के पूरे महपत उतर मऊ गांव का है। जहां गांव का रहने वाला 25 वर्षीय कामाख्यादीन पुत्र रामजस दोपहर में गोमती नदी किनारे बकरियों को चराने गया था।

मनचले युवक की सड़क पर हुई पिटाई

बेटी से छेड़छाड़ करने पर मां ने बीच सड़क पर थप्पड़ बरसाए

अमन लेखनी समाचार

महराजगंज, यूपी में मनचलों पर नकेल कसने के लिए सीएम योगी ने भले ही फरमान जारी किया है कि यदि किसी मनचले ने बहन बेटियों पर किसी भी प्रकार की अभद्र टिप्पणी या छेड़छाड़ करने का प्रयास किया तो अगले चौपट पर यमराज मिलेंगे। लेकिन अब भी छेड़छाड़ की घटनाएं कम नहीं हो रही हैं। एक ऐसा ही मामला महराजगंज से आया है। यहां के भिटीली थाना क्षेत्र के शिकारपुर में यमराज नहीं बल्कि चण्डी रूप में बेटी की मां ने मनचले युवक को सड़क पर ही सबक सिखा दिया। पूरा मामला क्षेत्र में कौतूहल का विषय बना हुआ है। इसके साथ ही मनचले युवक को सबक सिखाने वाली बेटी के मां का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। बताया जा रहा है कि युवक बेटी पर

मिर्हीपुरवा नगर में अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए पुलिस ने चलाया अभियान

मिर्हीपुरवा में जाम की समस्या से निपटने के लिए पुलिस प्रशासन ने कसी कमर

अमन लेखनी समाचार

मोतीपुर, बहराइच। मिर्हीपुरवा में लगातार जाम की समस्या से जूझ रहे नगरवासियों को अब जल्द ही जाम की समस्या से निजात मिलने वाली है। पुलिस प्रशासन ने इसके लिए तैयारी शुरू कर दी है और कस्बे से अतिक्रमण हटाना शुरू कर दिया है। अतिक्रमण हटाने के लिए व्यापारियों को दो दिन का समय दिया गया है, अतिक्रमण न हटाने पर कार्यवाही की चेतावनी दी गई है।

मिर्हीपुरवा तहसील क्षेत्र का प्रमुख व्यावसायिक केंद्र है। यहाँ पर पड़ोसी देश नेपाल के ग्राहक भी खरीदारी करने आते हैं। मिर्हीपुरवा कस्बे में कस्बे के व्यापारियों द्वारा मुख्य मार्ग के पटरी पर अतिक्रमण करने के कारण कस्बे में



जाम की समस्या विकराल रूप ले चुकी है। आम जनमानस को प्रतिदिन जान के झाम से जूझना पड़ता है। उच्च अधिकारियों के निर्देशन में चलाए जा रहे अतिक्रमण विरोधी अभियान के क्रम में मोतीपुर पुलिस ने जाम हटाए जाने के लिए अभियान चलाया। मिर्हीपुरवा नगर पंचायत क्षेत्र अन्तर्गत मोतीपुर वन बैरियर से लेकर स्टेट बैंक तक वजरही रोड, बड़ी बाजार,

स्टेशन रोड, रेलवे क्रासिंग इत्यादि थाना अध्यक्ष के नेतृत्व में मोतीपुर पुलिस टीम के साथ मिर्हीपुरवा नगर में भ्रमण करते हुए यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए सभी दुकानदारों को अनाउंसमेंट करते हुए सभी दुकानदारों को बताया गया कि अपनी दुकान का बोर्ड इत्यादि सहित जो भी समान है। उसे अपने दुकान के अंदर या फिर सड़क किनारे बनी

मैस चराने गए बालक की नाले में डूब कर मौत



अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज, बहराइच। कैसरगंज थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत गोडहिया नंबर दो के मजरे पांडे पुरवा मे 12 वर्षीय एक बालक की बाघरा नदी से सटे नाले में डूब कर मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार अरविंद पुत्र ममान निवासी पांडे पुरवा बुधवार को दोपहर भैंस चराने के लिए गया हुआ था कि उसकी भैंस मंगल मेला के मजरे गडरियन पुरवा के निकट घाघरा नदी

से सटे नाले में पानी पीने लगी। अरविंद उस भैंस को बाहर निकलने लगा। इसी बीच उसका पैर गहरे नाले में फिसल गया। जिससे वह डूब गया और उसकी मौत हो गई। इस घटना की सूचना मिलते ही अरविंद के घर में कोहराम मच गया लोग घटनास्थल की ओर भागे। कड़ी मशकत के बाद ग्रामीणों की मदद से उसके शव को बाहर निकाला गया। पुलिस घटना की जांच कर रही है पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पंचनामा के लिए भेज दिया है।

बाइक सवार युवक को मारी टक्कर

तेज रफतार वाहन ने चपेट में लिया, काफी देर सड़क पर तड़पता रहा, तोड़ा दम

अमन लेखनी समाचार

अमेठी जिला, अमेठी में देर रात बाजार से घर वापस जा रहे बाइक सवार युवक को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया और काफी देर तक सड़क पर पड़ा रहा। काफी देर बाद जब राहगीरों की नजर खून से लथपथ युवक पर पड़ी तो पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस युवक को लेकर जामो सीएचसी पहुंची जहां से उसे गंभीर हालत में ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया। जहां जाते समय रास्ते में उसकी मौत हो गई। फिलहाल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज हादसा करने वाली गाड़ी की तलाश शुरू कर दी है। ये पूरा मामला जामो थाना क्षेत्र के भीखीपुर गांव के पास का है। जहां गांव



का रहने वाला 32 वर्षीय युवक रवि सिंह पुत्र वीरेंद्र सिंह देर रात किसी काम से जामो बाजार गया था। रवि रात करीब 10 बजे बाजार से बाइक से घर जा रहा था। अभी वो गांव के पास पहुंचा ही था कि पीछे से आ रहे तेज रफतार अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी और फरार हो गए। हादसे में गंभीर रूप से घायल रवि सड़क पर ही तड़पता रहा। काफी देर बाद जब राहगीरों की नजर रवि पर पड़ी तो पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस घायल

को लेकर अस्पताल पहुंची, जहां स्थिति गंभीर देख डॉक्टरों ने रवि को ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया। जहां रास्ते में उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज हादसा करने वाली गाड़ी की तलाश शुरू कर दी है। घटना को लेकर जामो थाना प्रभारी विनोद सिंह ने कहा कि शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया गया है। हादसा करने वाली गाड़ी की तलाश की जा रही है।

बुजुर्ग महिला की हत्या



अभद्र टिप्पणी किया था। इससे नाराज होकर मनचले युवक को महिला ने बीच सड़क पर पीट दिया। सड़क पर तमाशाबीनों का मजमा लगा रहा। पिटाई के दौरान युवक पैर पड़कर माफी मांगता रहा। लेकिन बेटी की मां लगातार उस पर थप्पड़ बरसाती रही। इसका किसी ने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल

बुजुर्ग महिला की हत्या



बरामदे में सोते समय धारदार हथियार से किया गया हमला, चीख सुनकर पहुंचे पड़ोसी

अमन लेखनी समाचार

सिद्धार्थनगर, सिद्धार्थनगर के खेसरहा थाना के कुथिया चौकी छेत्र के ग्राम कठमोरवा में घर के बरामदे में सो रही 65 वर्षीय महिला पर किसी ने धारदार हथियार से हमला करके उसकी हत्या कर दी। घटना शनिवार देर रात की है। महिला का नाम अनार कली पत्नी हरिलाल है। पति की मृत्यु आठ वर्ष पहले हो चुकी है। मृतक का बड़ा बेटा अपने परिवार के साथ मुंबई में रहता है तथा छोटा बेटा किसी

रिश्तेदारी में गया था। घर में अनारकली अकेली थी। जब उन पर हमला हुआ तो तेज से चिल्लाई। आवाज सुनकर पड़ोसी महेंद्र जब उनके पास पहुंचे तो हमलावर फरार हो चुके थे। उनका शरीर खून से लथपथ था। महिला के शरीर पर कई जगह घाव के निशान थे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा करवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। खेसरहा थाना इंचार्ज रविन्द्र सिंह रात में ही मौके पर पहुंचे और जानकारी उच्च अधिकारियों को दिया। सुबह एमपी पी सी सिंह व एएसपी सिद्धार्थ ने मौके पर पहुंच कर घटनास्थल का निरीक्षण किया। फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंच कर जांच पड़ताल कर रही है।

डीसीएम व बाइक की आमने-सामने हुई टक्कर, बाइक सवार हुआ घायल

थाना मोतीपुर के मटिहा मोड हाईवे पर हुआ हादसा

अमन लेखनी समाचार

मोतीपुर, बहराइच। डीसीएम व बाइक के आमने-सामने टक्कर होने से बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया जिसे एंबुलेंस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया। बुधवार सुबह 6 बजे थाना मोतीपुर के अंतर्गत नानपारा लखीमपुर हाईवे मार्ग पर मटिहा मोड के निकट नानपारा की ओर से मिर्हीपुरवा आ रही डीसीएम यूपी 40 टी 5357 व मिर्हीपुरवा से नानपारा की ओर जा रही बाइक यूपी 40 एफ 5522 आमने सामने से टकरा गई जिसमें बाइक सवार अक्षय कुमार पुत्र शकील उम्र लगभग 30 वर्ष निवासी गोपिया थाना मोतीपुर घायल हो गए।



टक्कर इतनी जबरदस्त थी की बाइक के परखच्चे उड़ गए और बाइक डीसीएम के नीचे चिपक गई शुकुर रहा की बाइक सवार उछल कर दूर गिरा लेकिन डीसीएम का पहिया पैर पर चढ़ने से पैर पूरी तरह से जखमी हो

गया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची मोतीपुर पुलिस ने घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती करवाया जहां पर हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने मेडिकल कॉलेज भेज दिया।

सीओ के नेतृत्व मे चलाया गया सघन वाहन चेकिंग अभियान

वाहन चालकों मे मचा रहा हड़कंप

अमन लेखनी समाचार

बाबागंज, बहराइच। पुलिस अधीक्षक बहराइच वृंदा शुक्ला के निर्देशानुसार बुधवार शाम को थाना क्षेत्र रूपईडीहा के कस्बा बाबागंज चरदा तिराहे पर सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। पुलिस क्षेत्राधिकारी नानपारा राहुल पाण्डेय के नेतृत्व मे चले चेकिंग अभियान में पुलिस द्वारा चार पहिया एवं मोटर साइकिल के कागजात, हेलमेट, व सीटबेल्ट सहित डिग्गी आदि चेक किया गया। इस दौरान अधूरे कागजात एवं त्रुटि रहने पर सम्बंधित चालकों से जुमाना भी बसूला गया। अनाधिकृत रूप से प्रेस व उत्तर प्रदेश सरकार लिखे वाहनों की जांच की गई। बिना हेलमेट व कागजात के



वाहनों का चालान किया गया एवं वाहन चालकों को हेलमेट व सीट बेल्ट लगाने के लिए प्रेरित भी किया गया। सघन वाहन चेकिंग अभियान से कस्बा बाबागंज में दुपहिया व चौपहिया वाहन चालकों में हड़कंप

मचा रहा। इस मौके पर कोतवाल रूपईडीहा शमशेर बहादुर सिंह, चौकी प्रभारी बाबागंज रामगोविंद वर्मा सहित दिवान एन के गुप्ता, आरक्षी भरत यादव आदि पुलिस कर्मी मौजूद रहे।

रूपईडीहा के वरिष्ठ पत्रकार एवं समाजसेवी शकील अहमद को पितृ शोक

अमन लेखनी समाचार

रूपईडीहा, बहराइच। भारत नेपाल सीमावर्ती कस्बा रूपईडीहा के वरिष्ठ समाजसेवी एवं पत्रकार शकील अहमद के पिताजी मकसूद अहमद जूता वाले का 95 वर्ष की आयु में लंबी बीमारी के बाद आज स्वर्गवास हो गया। उन्होंने अपने घर में ही अंतिम सांस ली हाजी मसूद अहमद रूपईडीहा के पुराने व्यवसायी थे। कस्बे के सैकड़ों लोगों ने नम आंखों से रूपईडीहा कब्रिस्तान में उनको सुपुर्द खाक किया हाजी मकसूद अहमद अपने पीछे एक भरा पूरा परिवार छोड़ कर



गए हैं उनके पुत्र शकील अहमद रूपईडीहा की प्रसिद्ध समाजसेवी और पत्रकार हैं जिन्होंने बहुत से सामाजिक कामों में बढ़ चढ़ हिस्सा लिया।

संजय गांधी अस्पताल में बढ़ी सुविधाएं

अत्याधुनिक उपकरणों से हृदय रोगियों का इलाज शुरू, जिले का पहला हार्ट स्पेशलिटी अस्पताल बना

अमन लेखनी समाचार

अमेठी जिला, अमेठी के मुशीगंज स्थित संजय गांधी अस्पताल ग्रामीण क्षेत्रों के ग्रामीणों के लाइफ लाइन बनकर उभर रहा है। अस्पताल में कई विशेषज्ञ डॉक्टरों की तैनाती से आसपास के जिले के लोगों का विश्वास बढ़ा है इसी कड़ी में हृदय रोग विशेषज्ञ डॉक्टर सत्येंद्र तिवारी के द्वारा हृदय के मरीजों का ऑपरेशन एवं धमनी ब्लॉकिंग जैसी अन्य बीमारियों का उपचार किया जा रहा है। प्रत्येक अस्पताल में हृदय रोग विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ सत्येंद्र तिवारी द्वारा बीते 3 माह से हृदय धमनियों में ब्लॉकिंग आदि से संबंधित बीमारियों का इलाज कर रहे हैं। अभी तक लगभग सैकड़ों मरीज स्वास्थ्य लाभ ले चुका है। संजय गांधी प्रशासन की ओर से लगातार जनता की सुविधाओं के लिए कई



विशेषज्ञ डॉक्टर तैनात किए गए हैं जिसके कारण अमेठी के अलावा आसपास के जिलों के लोग भी चिकित्सा सुविधा का लाभ उठा रहे हैं।

चेस्ट पेन एंजाइना पेन सिंकोप यानी चक्कर आना आदि इलाज बखूबी किया जा रहा है। इसके अलावा चलते फिरते या मेहनत करते छती में दर्द होना तथा चलते फिरते मनुष्य का सांस फूलना तथा उच्च रक्तचाप के इलाज की सुविधा शुरू हुई है। इसके साथ ही आधुनिक उपकरण जैसे एंजाइम टेस्ट व टीएमटी टेस्ट हॉल्टर, ईको आदि उपलब्ध है। टेस्ट पॉजिटिव आने तथा हृदय की मुख्य धमनी ब्लॉकिंग होने पर इलाज की बेहतर चिकित्सा संबंधी सुविधाएं मौजूद हैं। अभी हाल ही में अस्पताल में ब्लड सेंटर में भी नवीनीकरण कर प्लेटलेट्स, प्लाज्मा व अन्य सुविधाएं शुरू कराई गई हैं। अस्पताल में प्रत्येक शनिवार को बच्चों के विभाग में निशुल्क शिवािर का आयोजन किया जाता है। महिला विभाग व इमर्जेंसी विभाग 247 खुला रहता है।

हाइवे जाम करना

प्रदर्शनकारियों को पड़ा महंगा

हिस्ट्रीशीटर 2 सगे भाइयों समेत 12 नामजद और दर्जनों अज्ञात पर केस

अमन लेखनी समाचार

सुलतानपुर, 'आलोक कोरी' हत्याकांड में हाइवे पर शव रखकर तीन घंटे से अधिक प्रदर्शन करना प्रदर्शनकारियों को महंगा पड़ गया है। हिस्ट्रीशीटर दो सगे भाइयों समेत 12 नामजद व 60 अज्ञात पर केस दर्ज हुआ है। अमहट चौकी इंचार्ज की तहरीर पर गंभीर धाराओं में केस दर्ज करके पुलिस ने मामले में आरोपियों को तलाश शुरू कर दी है। दरअसल बीते रविवार को धम्मौर के बिकना में अनिल कोरी की गला रेत कर नृशंस हत्या की गई थी। अगले दिन परिजनों ने हिस्ट्रीशीटर उदय कोरी व अजय कोरी के नेतृत्व में मृतक के शव को



कोतवाली नगर के अमहट चौराहा स्थित हाइवे पर रखकर घंटों प्रदर्शन किया था। जिससे ट्रैफिक की समस्या उत्पन्न हुई थी। हालांकि एसडीएम ठाकुर प्रसाद के आश्रवासन पर परिजन अंत में मान गए थे और शव का अंतिम संस्कार किया था। इस प्रकरण में गांव के संदीप कोरी व उसके नाना को पुलिस ने गिरफ्तार करके जेल भेजा है। प्रेम प्रसंग में

घटना अंजाम पाई थी। वही प्रदर्शन के मामले में अमहट चौकी इंचार्ज जगदीश सिंह की तहरीर पर धम्मौर थाने के हिस्ट्रीशीटर उदय प्रताप कोरी, उसके हिस्ट्रीशीटर भाई अजय कोरी, कोतवाली नगर के अमहट चौराहा स्थित हाइवे पर रखकर घंटों प्रदर्शन किया था। जिससे ट्रैफिक की समस्या उत्पन्न हुई थी। हालांकि एसडीएम ठाकुर प्रसाद के आश्रवासन पर परिजन अंत में मान गए थे और शव का अंतिम संस्कार किया था। इस प्रकरण में गांव के संदीप कोरी व उसके नाना को पुलिस ने गिरफ्तार करके जेल भेजा है। प्रेम प्रसंग में

संक्षेप

सीतापुर में दो पक्षों में चले ईंट-पत्थर

अमन लेखनी समाचार

सीतापुर, सीतापुर में उस के दौरान दुकान रखने को लेकर दो पक्षों में ईंट पत्थर और लाठी डंडे चले। दोनों पक्षों से आधा दर्जन लोग घायल हुए हैं। गांव में विवाद को सुलझाने पहुंची एक पुलिस का जवान भी ईंट लगने से घायल हो गया। पुलिसकर्मी के सिर में चोट आने से उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने मामले में दोनों पक्षों के चार-चार लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी। मामला हरगांव थाना इलाके का है। यहाँ क्षेत्र के ग्राम मोहरसा में वृहस्पतिवार को रात में महमद बाबा की मजा पर सालाना उर्स मेले का आयोजन किया गया था। जानकारी के अनुसार मेले के पास काब्रिस्तान में एक चने का ठेला लगा था। जिससे मेले में व्यवधान उत्पन्न हो रहा था। मेले में व्यवधान के चलते कमेट्री के सदस्य यासीन ने ठेले को दूर लगाने के लिए कहा। बताया जाता है कि ठेला हटाने के विवाद पर पूर्व प्रधान समसाद खां उर्फ मुन्ना ने ठेला लानेवाए जाने की बात कहकर विरोध कर रहे यासीन खां को साथियों के साथ मिलकर लात-घुसों से पिटाई कर दी। विवाद के बाद दोनों पक्षों ने एक दूसरे पर मारपीट का आरोप लगाकर हरगांव थाने में शर्थना पत्र दिया, लेकिन पुलिस ने मामले में हिलाहवाली करतें हुए कार्रवाई के बजाय दोनों पक्षों में सुलह समझौता कराने का प्रयास करती रही। जिससे हौसले और बुलंद हो गए। दोनों पक्षों में पुराने विवाद को लेकर कहासुनी हो गई। पूर्व प्रधान समसाद खां ने अपने समर्थकों के साथ मिलकर वर्तमान प्रधान प्रतिनिधि अचछन खां के घर पर हमला बोल दिया। इसके बाद दोनों पक्षों में जमकर ईंट पत्थर चलने लगे। हमले में दोनों पक्षों के आधा दर्जन से अधिक लोग घायल हो गये। मारपीट की सूचना पर मौके पर पहुंचे पुलिस कर्मी सुभाष वर्मा घटनास्थल की वीडियो बनाने लगा तो किसी ने सुभाष के सिर पर पत्थर मार दिया। जिससे पुलिसकर्मी घायल हो गया। सीओ सदर सतीश चंद्र शुक्ल ने बताया कि घायल पुलिसकर्मी की तहरीर पर दोनों पक्षों के 26 नामजद और 30 के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

जमीनी विवाद में झड़प

अमन लेखनी समाचार

जौनपुर, जौनपुर के चन्दवक थाना क्षेत्र के लेवरूवा दुबान गांव में रविवार सुबह जमीनी विवाद में दो पक्षों में झड़प हो गई। झड़प में वृद्ध की मौके पर ही मौत हो गई। दोनों पक्षों में जमीनी विवाद काफी दिनों से चला आ रहा है। सूचना पर पहुंची पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। लेवरूवा गांव निवासी धर्मदेव गोड़ व धर्मेन्द्र यादव उर्फ लाला के बीच आबादी की जमीन को लेकर विवाद काफी दिनों से चला आ रहा है। जब जब कब्जा करने की नीयत से लाला पशुओं का नाद आगे धर्मदेव की जमीन की तरफ बढ़ता तब तब विवाद होता रहता था। रविवार सुबह छः बजे पशुओं के नाद को धर्मेन्द्र ने आगे बढ़ाया तो धर्मदेव ने आपत्ति की। दोनों पक्षों में गाली गलौज व झड़पा होने लगा।

कबूलनामा

बेटी बोझ थी, इसलिए गंगानहर में फेंका

अमन लेखनी समाचार

मेरठ, 2 साल की इकरा बहुत खुश थी। खुश होती थी क्यों न जो पिता हमेशा दुक्कारते थे, उन्होंने पहली बार दुलारा था। कहा- चलो दुकान चलें, चाँकलेट दिलाऊंगा। इकरा ने झट से पिता की उंगली थाम ली। उसका भाई भी साथ था। उसने पिता के दूसरे हाथ की एक उंगली पकड़ रखी थी। चहकते हुए इकरा पिता के साथ चल पड़ी। लेकिन, इकरा अंजान थी कि जिस पिता पर वह भरोसा कर रही है, वह फरेबी है। वही पिता उसकी जान का प्यासा है। आखिरकार, पिता इकरा को नहर किनारे ले गया। वहाँ उसे पीछे से धक्का देकर नहर में फेंक दिया। फिर दूसरे रास्ते बेटे के साथ घर आ गया। उसके चेहरे पर पछतावे का भाव भी नहीं है। पुलिस ने आरोपी पिता सुलेमान को गिरफ्तार कर लिया। क्राइम का सीसीटीवी भी सामने आया है। जिसमें

पीपीगंज का हेल्थ एटीएम मरीजों के लिए वरदान या सरकारी लापरवाही का शिकार



अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। पीपीगंज नया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में स्थापित हेल्थ एटीएम, जो मरीजों के लिए वरदान बन सकता था, सरकारी लापरवाही के शिकार होने की कगार पर है। 15 मिनट में 56 तरह की जांच कर रिपोर्ट देने वाली यह अत्याधुनिक मशीन, मरीजों के लिए किसी संजीवनी से कम नहीं है लेकिन, प्रशासनिक उदासीनता के कारण, मरीजों को अब भी

स्वास्थ्य जांच के लिए जिला अस्पताल तक का सफर तय करना पड़ रहा है। स्वास्थ्य कर्मचारियों का कहना है कि हेल्थ एटीएम मशीन 25 डिग्री सेंल्सियस से अधिक तापमान में काम नहीं करता है। बढ़ते तापमान को देखते हुए, मशीन को ठंडा रखने के लिए एसी रूम की व्यवस्था हो जाय जिससे मशीन सुचारू रूप से चले और मरीजों का जांच हो सके। मरीजों ने बताया स्वास्थ्य विभाग द्वारा इस समस्या का समाधान

करने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं। जिससे मरीजों को बीएमआई, लिपिड प्रोफाइल, हीमोग्लोबिन, शुगर ऑक्सीजन जैसे स्वास्थ्य जांच के लिए जिला अस्पताल जाना पड़ रहा है। इस संबंध में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कैम्पियरगंज प्रभारी डॉ विनोद वर्मा ने दूरभाष पर बताया अभी इसकी जानकारी नहीं है अगर ऐसा है तो जल्द ही समस्याओं को ठीक करा दिया जाएगा।

जमीन बैनामा करने कैसी पर जालसाजी ने 6.60 लाख रुपया हड़पा, केस दर्ज

कोर्ट के आदेश पर नौ जालसाजों के खिलाफ जालसाजी और रुपया हड़पने का केस दर्ज

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। सहजनवा थाना क्षेत्र के महुआपार टोला तेतरिया निवासी चंद्रहात पुत्र बजरंगी को दुकान निर्माण कराने के लिये जमीन की आवश्यकता थी। जनवरी 2019 में भीटी रावत निवासी रामशब्द और मनोज पाल जाँहिया निवासी इंद्रेश पाल, कोदरी निवासी रामाज्ञा चौधरी जो प्रापटी डीलर थे। वार्ता हुई। तो बताया की लखनऊ की कंपनी है, जिसका कार्यालय मोहदीपुर चार फाटक पर है। मुख्य कार्यालय लखनऊ में है। गुरुनानक ढाबे के पास प्लांटिंग कर बेचा जा रहा है। पहुंचने पर जमीन का नक्शा दिखाया, और 1 हजार और 350 रुपया प्रति वर्ग फीट की दर से सौदा तय हुआ। 12 फरवरी को चेक के माध्यम से दो लाख, 27

फरवरी आनलाइन तीन बार में 60 हजार, 40 हजार नकद दिया। इसकी रसीद दी गई। इसके पूर्व 11 फरवरी को आठ बार में 4.60 लाख दिया गया। और 100 रुपए के स्टैम्प पेपर पर अनुबंध कराया गया जो पल्लवी शर्मा लखनऊ के नाम से दर्ज था। एक व्यक्ति द्वारा 2 मार्च 2020 को रजिस्ट्री पत्र दिया गया। जिस पर 19 अप्रैल 2020 अंकित था। पीड़ित को टंगी का पहास होने पर कम्पनी के एम डी से फोन पर वार्ता करना चाहा तो वह आनाकारनी करने लगे थे। पीड़ित को पुलिस से न्याय न मिलने पर न्यायालय का शरण लिया। आदेश पर पुलिस ने आरोपी अभिनव श्रीवास्तव, सानिया इस्लाम, निवेश कुमार, मोहम्मद अदीब, पल्लवी शर्मा, योगेश कुमार सिंह, इंद्रेश पाल, रामाज्ञा, रामशब्द मौर्य के खिलाफ कुटराचित तरीके से जालसाजी कर रुपया हड़पने का केस दर्ज किया है।

विधायक ने किया डिजिटल एक्सरे मशीन का उद्घाटन



अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। पिपरौली सीएचसी पर एक्स-रे डिजिटल मशीन का सहजनवा के भाजपा विधायक प्रदीप शुक्ला और सीएचसी प्रभारी डॉ शिवानंद मिश्रा द्वारा विधिवत उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर सहजनवा के भाजपा विधायक प्रदीप शुक्ला ने कहा कि पिपरौली सीएचसी पर एक्सरे

मशीन की सुविधा नहीं थी। जिससे यहां के लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। काफी दिनों से जनता की मांग थी कि एक्सरे मशीन अस्पताल में लग जाए ताकि आमजन को सुविधा मिल सके। सीएचसी प्रभारी डॉ शिवानंद मिश्रा ने कहा कि एक्सरे डिजिटल मशीन की सुविधा हो जाने से अब यहां के लोगों को एक्सरे के लिए

गोरखपुर नहीं जाना पड़ेगा। यह सुविधा आज से अस्पताल में ही मौजूद है। इस अवसर पर डिप्टी सीएमओ डॉ अमित सिंह, ए सीएमओ (आरसीएच) डा ए के चौधरी, ब्लॉक प्रमुख दिलीप कुमार यादव, राज गौरव सिंह, रवि प्रताप सिंह, मुंशीलाल गुप्ता, अरुण कुमार गौतम, अजय श्रीवास्तव, सुन्दर शुक्ला सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

ट्रक चालक दस टन सरिया लेकर फरार पुलिस ने दर्ज किया केस

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। आवास विकास कालोनी बेतियाहाता निवासी आनंद कुमार टीवडडेवाल पुत्र सुभकरन जो उत्तर प्रदेश मेमर्स विद्या ट्रेड रिससेज बेतियाहाता में साझेदार है। और सरिया का क्रय विक्रय करते हैं। 11 जून को इन्हे सरिया लखनऊ भेजना था। और वाहन की जरूरत थी। जिसके लिए न्यु मेट्रो ट्रांसपोर्ट सर्विस बोकता चौराहा गौडा सेक्टर 13 ट्रक की मांग की गई। ट्रक पर सरिया लाने के लिए गैलेंट इस्पात भेजा गया। जहां ट्रक मालिक ने 20 टन सरिया लादा। जिसकी कीमत 6.09 लाख रुपए थी। मेमर्स एसए आर होम सलूशन स्टार्स प्रा0 लिमिटेड वृंदावन योजना रायबरेली रोड लखनऊ के लिए भेजा गया। लेकिन 4 दिन बीत जाने पर ट्रक मालिक सरिया लेकर नियत स्थान पर नहीं पहुंचा। और ट्रक मालिक का मोबाइल बंद था। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने ट्रक मालिक सुरेंद्र कुमार निवासी बस्ती भटिंडा पंजाब के खिलाफ चोरी का केस दर्ज कर लिया है।

एसडीएम ने सीएचसी सहजनवा पीएससी कटसहरा का किए निरीक्षण

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। स्वास्थ्य सुविधा में सुधार लाने के लिए शासन ने जिम्मेदारों को सख्त निर्देश दिए हैं कि समय समय पर सरकारी अस्पतालों का निरीक्षण कर जो भी कमियां दिखाई दे उसकी रिपोर्ट शासन को भेजे। बुधवार को उपजिलाधिकारी सहजनवा कुंवर सचिन सिंह ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सहजनवा का निरीक्षण किए। निरीक्षण के दौरान पैथालोजी वार्ड, एक्स-रे कक्ष, प्रसूता वार्ड, इमरजेंसी वार्ड, दवा स्टॉक रूम में जाकर हकीकत जानी जहां सब कुछ ठीक मिला। उपस्थित रजिस्टर की जांच की गई तो एक सॉन्दा कर्मी राजकुमार के अलावा चिकित्सक मनीष कुमार पांडेय अनुपस्थित मिले। इसके अलावा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कटसहरा का निरीक्षण किए। यहां किसी भी चिकित्सक की तैनाती नहीं



है। यहां गंदगी का अंبار दिखाई दिया। जिस पर नाराजगी जाहिर करते हुए वहां तैनात कर्मचारियों को फटकार लगाते हुए। सफाई पर ध्यान देने की

नसीब दिए। इस दौरान अधीक्षक डा व्यास कुशवाहा, डा अभिनाश यादव, सहित अनेक स्वास्थ्य कर्मी मौजूद थे।

नवागत थानाध्यक्ष का अद्भुत स्वागत, थाने में भिड़े दो पक्ष



अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। खजनी थाने में दो पक्षों के बीच भूमि विवाद के मामले में फरियाद लेकर पहुंचे दो पक्ष थाना परिसर में ही आपस में भिड़ गए, अपशब्दों और धमकियों के बाद नौबत हाथापाई तक जा पहुंची। इस दौरान मौके पर मौजूद पुलिसकर्मी तमाशबीन बने रहे। बताया गया कि

थाने में मौजूद लोग बीते वर्ष शांति भंग के आरोपितों की जमानत निरस्त करने की मांग को लेकर तहसील मुख्यालय में भी तोड़ फोड़ और हंगामा कर चुके हैं। बताते चलें कि इस दौरान नवागत थानाध्यक्ष अवकाश पर रहे तथा प्रभारी थानाध्यक्ष सोनेंद्र सिंह ने बताया कि उस समय क्षेत्र में थे, ऐसी किसी घटना की हमें जानकारी नहीं है।

हेड कांस्टेबल ने गर्दन काटकर दी जान

पहले फंदा लगाकर सुसाइड की कोशिश की, रस्सी टूटी, बेटा बोला- पापा की हत्या हुई

अमन लेखनी समाचार

जालौन, जालौन में हेड कांस्टेबल ने आरोपी के पद पर तैनाती हुई है। वर्तमान में वह जालौन के कैलिया थाने में 12 महीने पहले हेड कांस्टेबल के पद पर तैनात हुए। रविवार सुबह उन्होंने चाकू से खुद की गर्दन काटकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी रिपोर्ट में बने सरकारी आवास का है। कर्नौज के पदार्सपुर के रहने वाले



वीरेंद्र कुमार की 1995 में पुलिस विभाग में आरक्षी के पद पर तैनाती हुई है। वर्तमान में वह जालौन के कैलिया थाने में 12 महीने पहले हेड कांस्टेबल के पद पर तैनात हुए। रविवार सुबह उन्होंने चाकू से खुद की गर्दन काटकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी तब हुई, जब उसके साथ तैनात पुलिसकर्मी उन्हें कमेरे में बुलाने गए। वहां वीरेंद्र कुमार का शव खून से

लथपथ पड़ा था। साथी पुलिसकर्मी ने तुरंत मामले की जानकारी थाने के प्रभारी राजीव कुमार वैस को दी। वह फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। मौके पर जांच पड़ताल की। कुछ देर बाद पुलिस अधीक्षक डॉक्टर इंद्रज राजा, फॉरेंसिक टीम और अपर पुलिस अधीक्षक असीम चौधरी के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। यहां उन्होंने सभी पहलुओं पर जांच करते हुए शव को पोस्टमार्टम के

लिए भिजवा दिया। एसपी ने ही घटना की सूचना सिपाही वीरेंद्र के परिजनों को भी दी। सूचना पर मृतक सिपाही के पुत्र अभिषेक सिंह और साले राजेश सिंह भी पहुंच गए। पिता का खून से लथपथ शव देखकर बेटे अभिषेक सिंह ने पिता की हत्या की आशंका जताई है। हालांकि वह इसके कोई वजह अभी नहीं बता सके। लेकिन शव की हालत देखकर उन्होंने मर्डर की बात कही है। वहीं पुलिस अधीक्षक डॉक्टर इंद्रज राजा ने कहा, मुख्य आरक्षी वीरेंद्र कुमार कैलिया थाने में तैनात थे। प्रथम दृष्टया लग रहा है कि मुख्य आरक्षी ने आत्महत्या की है। उसने चाकू से अपनी गर्दन पर वार कर जान दे दी। कमेरे की जांच की गई तो पंखे से बंधा फंदा भी मिला। जिससे यह लग रहा, उन्होंने पहले फांसी लगाकर जान देने की कोशिश की। रस्सी के टूट जाने के कारण वह बच गए।

तीन बच्चों की मां नकदी-जेवरात सहित प्रेमी संग फरार

पीड़ित पति के तहरीर पर सोनभद्र पुलिस ने पिता-पुत्र सहित 8 लोगों पर दर्ज किया एफआईआर

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र, सोनभद्र के पन्गुंज थाना क्षेत्र में पति ने अपनी पत्नी और उसके प्रेमी के ऊपर नकदी तथा जेवरात को लेकर गायब होने का आरोप लगाया है। इस मामले में पीड़ित ने पत्नी के कथित प्रेमी के साथ ही, उसके पिता, मां, भाई और दो अन्य लोगों पर भी साथ देने का आरोप लगाया है। मामले में एसपी डॉक्टर यशवीर सिंह के निर्देश पर पन्गुंज पुलिस ने कथित प्रेमी सहित 8 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर खानबीन शुरू कर दी है। पुलिस को दिए तहरीर में पीड़ित ने बताया कि 15 वर्ष पूर्व उसकी शादी राबटसंगंज कोतवाली



क्षेत्र के नई बाजार इलाके की रहने वाली महिला से हुई थी। दोनों के संयोग से दो पुत्री और एक पुत्र हुए। गत 1 जून को वह चुनौती ड्यूटी से देखा की उसकी पत्नी और उसका प्रेमी दोनों उसके घर पर मौजूद थे। वह पहुंचा तो उसकी पत्नी का प्रेमी भाग निकला। इसको लेकर रिश्तेदारों के समक्ष पंचायत हुई। जिसमें पत्नी ने दोबारा ऐसा न होने का भरोसा

दिया। आरोप है कि गत 6 जून को रात 2 बजे उसकी नौद खुली तो देखा कि उसके घर का दरवाजा खुला था। सामान बिखरा हुआ पड़ा था। सामान चेक किया तो पाता चला कि बक्सों में रखा 80 हजार नकद, जेवरात के साथ ही कपड़े गायब हैं। पीड़ित का आरोप है कि उसकी पत्नी और उसके प्रेमी ने उसे हत्या की धमकी दी है।

संक्षेप

अपहरण कर बलात्कार करने का मुकदमा दर्ज

अमन लेखनी समाचार/शिवर-सिंह

कुरारा, हमीरपुर।थाना व कस्बा कुरारा के भौली रोड निवासी पिता ने दो युवकों द्वारा पुत्री का अपहरण कर बलात्कार करने की तहरीर थाने में दी है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है।

कस्बे के भौली रोड वार्ड चार निवासी बृज लाल पुत्र स्व भागीरथ ने थाने में तहरीर देकर बताया कि बीते शुक्रवार को रात नौ बजे मेरी नाबालिक पुत्री को पड़ोस की दुकान से सामान लेकर घर वापस आते समय मोहल्ले के निवासी युवक अभिषेक यादव पुत्र बहू व रवि पुत्र बंशी चार पहिया वाहन अर्टिगा जिसका नंबर यू पी 91 ओ 8265 लेकर आए तथा रूमात से मेरी पुत्री का मुंह दबाकर व कड़ा लगाकर जबनन गाड़ी में बैठा लिया। जब आधा घंटे तक पुत्री वापस घर नहीं आई तो उसकी खोजबीन की तो कुछ पता नहीं चल पाया अगले दिन दोपहर 12 बजे पुत्री के सुमेरपुर में बदहवास की सूचना मिली तब जाकर उसे वापस ले कर आए। पीड़ित पिता की तहरीर पर पुलिस ने दोनो युवकों के खिलाफ अपहरण व बलात्कार करने की धारा में मुकदमा दर्ज किया है। इस संबंध में थाना प्रभारी योगेश तिवारी ने बताया कि मुकदमा दर्ज किया गया है। अभियुक्तों की गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा। दबिश दी जा रही है।

बारिश होने से लोगों ने ली राहत की सांस

अमन लेखनी समाचार कुरारा, हमीरपुर।कस्बा सहित ग्रामीण क्षेत्र में शाम को हल्की बारिश होने से मौसम में बदलाव आया। भीषण गर्मी व उमस से लोगों ने राहत की सांस ली। कस्बा सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्र में करीब तीन बजे तक तेज धूप के बाद शाम पांच बजे के आसपास आसमान में बादल छा गए। और मध्यम गति से बारिश होने लगी। 20 मिनट हुई मध्यम गति की बारिश से जहाँ मौसम सुहाना हुआ वहीं हवा में भी नमी आई और लोगों को तेज गर्मी व उमस से राहत मिली। इस पहली बारिश से किसान भी खुश नजर आए।

एक दिवसीय रोजगार मेला 21 जून को

बलिया। जिला सेवायोजन कार्यालय एवं राजकीय आईटीआई बलिया के संयुक्त तत्वाधान में राजकीय आईटीआई परिसर रामपुर में 21 जून को एक दिवसीय रोजगार मेला का आयोजन किया गया है। इस रोजगार मेला में सुप्रसिद्ध कम्पनी स्पेक्ट्रम टालेन्ट मैनेजमेंट के तहत सोगेफी इंजन सीस्टम इण्डिया प्राइविलिं गुडगाम, हरियाणा तथा कैलिफोर्निया टेक एण्ड मैनुफैक्चरिंग प्रांवलिं ओएडए इत्यादि प्रतिभाग कर रही है। योग्यता- 10 वी, 12वी, बीए, बीएससी, आईटीआई डिप्लोमा पास रिक्तियों की सं० 200 उम्र- 18 से 30 वर्ष वेतन- कम्पनी के निर्धारित मापदण्ड के अनुसार 13 हजार रुपए- 15500/ रुपए मिलेगा, कम्पनियों द्वारा साक्षात्कार के माध्यम से चयन किया जायेगा। इच्छुक छात्र/ छात्राएँ 10 वी 12वी बीए, बीएससी, आईटीआई डिप्लोमा पास हैं, रोजगार संगम पोर्टल पर पंजीकरण कराकर अपने समस्त बायोडाटा, आधार कार्ड, पैन कार्ड एवं समस्त योग्यता की छायाप्रति दो फोटो के साथ प्रतिभाग कर रोजगार प्राप्त कर सकते हैं।

गो आश्रय स्थलों में मूलभूत सुविधाओं को लेकर जिलाधिकारी ने की बैठक

अमन लेखनी समाचार

अमेठी। जिलाधिकारी निशा अनंत ने आज कलेक्ट्रेट सभागार में निराश्रित गोवंशों के संरक्षण को लेकर गौशालाओं में हरा चारा, भूसा, पशु आहार, स्वच्छ पेयजल, शेड, बीमार पशुओं को उचित देखभाल इत्यादि सुविधाओं के संबंध में संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक किया एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में जिलाधिकारी ने जनपद में संचालित सभी गौशालाओं पर मूलभूत सुविधाओं की जानकारी ली। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी गो आश्रय स्थलों पर गोवंशों हेतु पर्याप्त मात्रा में पशु आहार, भूसा व हरा चारा की उपलब्धता सुनिश्चित किया जाए

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कृषि भवन सभागार में हुई किसान दिवस की बैठक

जिलाधिकारी ने किसानों की समस्याओं को सुन निस्तारण के लिए निर्देश

अमन लेखनी समाचार

बलिया: किसान दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी रवींद्र कुमार की अध्यक्षता में बुधवार को कृषि भवन सभागार में किसान दिवस की बैठक आयोजित की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि किसानों की शिकायतों को शीघ्र प्राथमिकता के आधार पर सुना जाए और उसका शीघ्र निस्तारण किया जाए। खासकर कृषि, सिंचाई व बिजली विभाग के अधिकारियों को विशेष रूप से किसान भाइयों की बातों का ख्याल रखने को कहा। इस अवसर पर किसानों ने कृषि से जुड़ी विभिन्न समस्याओं से जिलाधिकारी को अवगत कराया। किसान अखिलेश सिंह सहित अन्य किसानों ने जनपद में अभी तक मंसूर, चना का क्रय केंद्र न खुलने का मामला उठाया और कहा



कि जनपद के बहुत से किसान अपनी फसल नहीं बेच सके हैं। इस पर जिलाधिकारी ने डिप्टी आरएमओ, नैफेड और पी०सी०एफ के अधिकारियों से सवाल जवाब किया तो बताया गया कि जनपद में पी०सी०एफ ही इन फसलों की खरीद करती है। जिलाधिकारी ने पी०सी०एफ० के एम डी से फोन पर बात की और संबंधित अधिकारी को अगले तीन-चार दिन में क्रय केंद्र खोलने का निर्देश दिया। किसानों द्वारा एक मामला उठाया गया कि बहुत से किसानों का घर टाउन एरिया में पड़ता

है लेकिन खेती वे ग्रामीण क्षेत्रों में करते हैं जिससे फ्री ट्यूबवेल की सब्सिडी का लाभ उन्हें नहीं मिल पाता है। इस पर जिलाधिकारी ने शासन स्तर पर सकारात्मक पहल करने का आश्वासन दिया। किसान ब्रह्मनंद तिवारी ने बताया कि बारिश के कारण उनकी गेहूँ की फसल बर्बाद हो गई, एग्रीकल्चर इंश्योरेंस कंपनी के द्वारा इसका सर्वे भी कराया गया लेकिन प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का लाभ अब तक नहीं मिला है। इस पर जिलाधिकारी ने एग्रीकल्चर इंश्योरेंस कंपनी के एजेंट को अब तक जनपद में

सीएम डैशबोर्ड की बैठक सम्पन्न

रैंकिंग में प्रगति लाने के लिए दिए निर्देश

अमन लेखनी समाचार

रायबरेली, जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने सीएम डैशबोर्ड के अंतर्गत कानून व्यवस्था और विकास कार्यों की समीक्षा बचत भवन सभागार में मंगलवार को की। समीक्षा का उद्देश्य विभागों द्वारा संचालित सेवाओं, योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति जाना था। उन्होंने बारी-बारी से सभी विभागों के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने विभागीय अधिकारियों और कार्यदायी संस्थाओं को निर्देश दिया कि कार्य को समय से किया जाए। साथ ही कहा कि कार्य गुणवत्ता परक होने चाहिए। जिलाधिकारी ने डैशबोर्ड में जनपद को रैंकिंग ठीक नहीं होने पर संबंधित विभागीय अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने निर्देश दिया कि जो भी अधिकारी अपने कार्यों में उदासीनता दिखा रहे हैं पर विभागीय कार्यवाही की जायेगी। जिलाधिकारी ने कहा कि विभागीय अधिकारी आईजीआरएस पोर्टल पर मिल रही शिकायतों का समय से पर निस्तारण कराए। बैठक में अपर जिलाधिकारी प्रफुल्ल त्रिपाठी, जिला

अर्थ एवं सांख्यिकीय अधिकारी पन्ना लाल, जिला विकास अधिकारी अरुण कुमार के अतिरिक्त सभी विभागों के जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

एक दिवसीय रोजगार मेला का आयोजन 21 जून को

रायबरेली, जिला सेवायोजन कार्यालय (मॉडल कॅरियर सेंटर), रायबरेली के द्वारा उत्तर प्रदेश सरकार की महात्वाकांक्षी योजना रमिशन रोजगारर के अन्तर्गत, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, गोरानगर, रायबरेली में एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन 21 जून 2024 को किया जा रहा है। रोजगार मेले में लगभग 03 कम्पनियों द्वारा टेक्निकल एवं नॉन टेक्निकल पदों पर योग्यतानुसार चयन किया जाएगा। जिसमें आयु 18 से 30 वर्ष के अभ्यर्थी आईस्कूल, इण्टर, स्नातक व आई.टी.आई योग्यता के साथ प्रतिभाग कर सकते हैं। मेला में प्रतिभाग करने हेतु विभागीय पोर्टल पर नियोजकों व अभ्यर्थियों द्वारा पंजीकरण करवाना अनिवार्य है।

अमन लेखनी समाचार

रायबरेली ,उपायुक्त उद्योग परमहंस मौर्य ने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना लागू की गई है। जिसके अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 के संचालन हेतु उद्योग निदेशालय उ०प्र० कानपुर द्वारा निर्देश प्राप्त हुए हैं। जिसमें शिक्षित बेरोजगारों को स्वरोजगार के अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से निम्न शर्तें पूरा करने वाले अभ्यर्थी ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

अभ्यर्थी हाईस्कूल या समकक्ष उत्तीर्ण हो तथा उम्र 18 वर्ष से 40 वर्ष के मध्य हो। आवेदक किसी वित्तीय संस्था/सरकारी संस्था/बैंक इत्यादि का चूककर्ता डिफाल्टर नहीं होना चाहिए। आवेदक द्वारा पूर्व के संचालित प्रधानमंत्री रोजगार योजना, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना अथवा केंद्र/राज्य सरकार द्वारा संचालित अन्य किसी स्वरोजगार

कराए गए सारे सर्वे रिकॉर्ड और कितने किसानों को इस योजना से लाभान्वित किया गया, की रिपोर्ट मुख्य विकास अधिकारी के यहाँ प्रस्तुत करने का निर्देश दिया।

एक किसान द्वारा बताया गया कि मनियर बांसडीह मार्ग पर दहताल में पानी जमा हो जाने से आसपास के किसानों का 500 से 1000 हेक्टेयर की एक सीजन की फसल का नुकसान होता है। यदि सिंचाई विभाग द्वारा वाटर लिफ्टिंग लगाकर इसके पानी को घाघरा में ट्रांसफर करवा दिया जाए तो किसानों का भला हो जाएगा। इस पर जिलाधिकारी ने सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता को अपने स्तर और शासन स्तर पर कार्रवाई कर किसानों की समस्या को निस्तारित करने का निर्देश दिया। इसके अलावा कुछ किसानों ने नई वैज्ञानिक मशीन के द्वारा राशन वितरण में अंगूठे ना लगने, निःशुल्क बीज वितरण, आगामी सीजन के लिए उर्वरक स्टॉक, बिजली विभाग से कनेक्शन, ग्रीन फ्रील्ड के आसपास भूमि वितरण के संबंध में

और निवेश मित्र पोर्टल के माध्यम से नये उद्योग लगाने संबंधी आने वाली विभिन्न समस्याओं से जिलाधिकारी को अवगत कराया और उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारियों को अगली बैठक से पहले सभी का समुचित निराकरण कराने का निर्देश दिया।

जिलाधिकारी ने वहां उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिया कि जो भी बैठक के दौरान किसानों ने अपनी समस्याएं रखी है, उसकी अगली बैठक से पहले तक समाधान करके आएँ, तभी इस किसान दिवस की बैठक सार्थकता सिद्ध होगी। अन्य किसानों ने भी अपने-अपने क्षेत्र की समस्याओं से अवगत कराया, जिसके समाधान के लिए सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ओजस्वी राज, उप निदेशक कृषि मनीष सिंह, जिला कृषि अधिकारी पवन कुमार प्रजापति सहित अन्य संबंधित अधिकारी व जनपद के किसान भाई मौजूद थे।

मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के लिए करें आवेदन

अमन लेखनी समाचार

योजनान्तर्गत लाभ प्राप्त नहीं होना चाहिये। आवेदक द्वारा चयनित उद्यम यदि उत्पादन क्षेत्र से सम्बन्धित है तो परियोजना लागत 25.00 लाख से अधिक नहीं होना चाहिये तथा सेवा क्षेत्र में 10.00 लाख से अधिक नहीं होना चाहिये। सामान्य जाति के अभ्यर्थी को परियोजना लागत का 10 प्रतिशत व अनुसूचित जाति/अनु०जन जाति/पिछड़ी जाति/विकलांग/महिला/ अल्पसंख्यक वर्ग के अभ्यर्थी को परियोजना लागत का 5 प्रतिशत स्वयं का अंशदान लगाया जायेगा। सभी लाभार्थियों को योजना लागत का 25 प्रतिशत मार्जिन मनी दी जाएगी, जो दो वर्ष उद्यम संचालन पर अनुदान में बदल जायेगी। योजना के अन्तर्गत मात्र उद्योग व सेवा क्षेत्र के उद्यम ही आच्छादित है। आवेदक को उद्यम-पत्र ऑनलाइन भरने समय निम्न पत्र स्व प्रमाणित कर अपलोड करना होगा।

अ. शपथ-पत्र (निर्धारित प्रारूप पर) व. परिचय पत्र (निर्धारित प्रारूप पर)। विस्तृत प्रारूप आर रिपोर्ट

योजनान्तर्गत लाभ प्राप्त नहीं होना चाहिये। आवेदक द्वारा चयनित उद्यम यदि उत्पादन क्षेत्र से सम्बन्धित है तो परियोजना लागत 25.00 लाख से अधिक नहीं होना चाहिये तथा सेवा क्षेत्र में 10.00 लाख से अधिक नहीं होना चाहिये। सामान्य जाति के अभ्यर्थी को परियोजना लागत का 10 प्रतिशत व अनुसूचित जाति/अनु०जन जाति/पिछड़ी जाति/विकलांग/महिला/ अल्पसंख्यक वर्ग के अभ्यर्थी को परियोजना लागत का 5 प्रतिशत स्वयं का अंशदान लगाया जायेगा। सभी लाभार्थियों को योजना लागत का 25 प्रतिशत मार्जिन मनी दी जाएगी, जो दो वर्ष उद्यम संचालन पर अनुदान में बदल जायेगी। योजना के अन्तर्गत मात्र उद्योग व सेवा क्षेत्र के उद्यम ही आच्छादित है। आवेदक को उद्यम-पत्र ऑनलाइन भरने समय निम्न पत्र स्व प्रमाणित कर अपलोड करना होगा।

अ. शपथ-पत्र (निर्धारित प्रारूप पर) व. परिचय पत्र (निर्धारित प्रारूप पर)। विस्तृत प्रारूप आर रिपोर्ट

अलग से संलग्न करना होगा जिसके प्रत्येक पृष्ठ पर अभ्यर्थी के हस्ताक्षर होगा। स. विशेष श्रेणी के लाभार्थियों को लाभ प्राप्त करने हेतु सक्षम प्राधिकारी द्वारा निर्गत प्रमाण-पत्रों की स्व प्रमाणित प्रतियां संलग्न करना होगा। द. आधार कार्ड की छायाप्रति। य. शैक्षिक योग्यता व आयु के प्रमाण हेतु हाईस्कूल अथवा समकक्ष योग्यता का स्वहस्ताक्षरित प्रमाण-पत्र संलग्न करना होगा। र. निवास करने, अभ्यर्थी को परियोजना लागत का 5 अनुभव के सम्बन्ध में ग्राम प्रधान/सभासद का प्रमाण-पत्र। ल. पैन कार्ड व. बैंक पासबुक की छायाप्रति।

योजनान्तर्गत मात्र ऑनलाइन आवेदन पत्र ही मान्य होगा। आवेदन-पत्र मैन्यूली स्वीकार नहीं किये जायेंगे। इच्छुक आवेदक वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। अधिक जानकारी हेतु कार्यालय-जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र, सिविल लाइन, रायबरेली में सम्पर्क कर सकते हैं।

रामपुर फायरिंग प्रकरण में पूर्व भाजपा विधायक सहित 6 दोषी करार

अमन लेखनी समाचार

रामपुर, जिला रामपुर के 12 साल पुराने मामले में पूर्व भाजपा विधायक और महिला नेता सहित 6 लोगों को दोषी करार दिया गया है। कल इस मामले में सजा सुनाई जाएगी। जिले की तहसील शाहबाद के करीमगंज स्थित राणा शुगर मिल के कर्मचारियों से मारपीट, लूटपाट के प्रकरण में एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट (सेशन ट्रायल) ने दोष सिद्ध किया है। इनमें भाजपा के पूर्व विधायक काशीराम दिवाकर सहित छह व्यक्तियों पर दोष सिद्ध हुआ है। एमपी एमएलए कोर्ट ने 12 साल पुराने प्रकरण में सभी 6 को गुनहगार ठहराया है। दोष सिद्ध लोगों में पूर्व अंगनवाड़ी कार्यकर्ता संजू यादव भी शामिल है। इसके अलावा सुरेश गुप्ता, किशन पाल, भारत सिंह और मेहराज को दोष सिद्ध करार दिया है। मालूम हो कि 15 जनवरी 2012 की शाम

चक्रवाती आंधी से उखड़े सैकड़ों पेड़ गिरने से हाईवे हुआ बाधित

विद्युत पोल टूटने से मुख्यालय सहित पौधिया व चन्दौखी सबस्टेशन टप

अमन लेखनी समाचार

हमीरपुर। दोपहर बाद अचानक मौसम ने पलटी मारी और चक्रवात आंधी के चलते सैकड़ों पेड़ टूट कर गिर गए। हाईवे पर भी पेड़ों के गिरने से लंबा जाम लग गया है और आवागमन बाधित हो गया। इसके साथ ही विद्युत पोल टूट जाने से मुख्यालय सहित अन्य सब स्टेशनों की सप्लाई बाधित हो गयी। जिससे आधा सैकड़ों से अधिक गांव की आपूर्ति बाधित चल रही है। बारिश से जहां लोगों को भारी से राहत महसूस हुई है। वहीं चक्रवाती आंधी से भारी नुकसान होने की संभावना है। बुधवार को शाम को करीब चार बजे अचानक मौसम ने पलटी मारी और तेज धूप की जगह बादलों के साथ तेज आंधी आने से कुछेछ से लेकर सुमेरपुर कस्बे तक

चक्रवाती तेज आंधी चलने से सैकड़ों पेड़ उखड़ गए। जिससे हाईवे सहित अन्य मार्ग बाधित हो गए। इसके साथ ही कई फीडरों के विद्युत पोल व तार टूट जाने से मुख्यालय सहित पौधिया, चन्दौखी, पंप केनाल व अन्य फीडरों की विद्युत आपूर्ति टप हो गई है। इसके साथ ही सुमेरपुर कस्बे में कई लोगों के टीन टप्पर उड़ गए। सभी फीडरों की आपूर्ति टप हो गई है। अवर अभियंता अनिल कुमार ने बताया कि कस्बे के सभी फीडर चालू करने के लिए पेट्रोलिंग की जा रही है। एसडीओ एसपी मिश्रा ने बताया कि आंधी से 132 केवी पावर हाउस से मुख्यालय सहित पौधिया, चन्दौखी व अन्य सब स्टेशनों की आपूर्ति टप हो गई है। जिससे आधा सैकड़ों से ज्यादा गांव प्रभावित हैं। उन्होंने बताया कि करीब 10 खंभे टूटने की सूचना मिल रही है। उन्होंने बताया कि विद्युत कर्मियों को लाइनों को दुरुस्त करने के लिए भेजा जा रहा है।

गरौठा की बेटियां अशिका यशिका के साथ शिक्षक मोहनलाल सुमन हुए सम्मानित

अमन लेखनी समाचार



अमन लेखनी समाचार/हेमन्त यादव

गरौठा, झांसी। वीरगंगा रानी लक्ष्मीबाई के बलिदान दिवस पर राजकीय संग्रहालय झांसी के सभागार में हुए कार्यक्रम में अशिका और यशिका के द्वारा झांसी की रानी नृत्य नाटिका की बेहतरीन प्रस्तुति के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ.सविता दुबे, डॉ सुनीता एवं राजकीय संग्रहालय के डायरेक्टर डॉ.मनोज कुमार गौतम ने अशिका और यशिका को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। साथ ही नाटिका के निर्देशन के लिए शिक्षक मोहनलाल सुमन को सम्मानित किया गया। मूल रूप से

गरौठा निवासी मोहनलाल सुमन की बेटियां बेटियां अशिका और यशिका द्वारा प्रस्तुत नृत्य नाटिका रझांसी की रानी एवं बुंदेली गीत रऐसी माटी न भारत के खण्ड खण्ड में जन्म दर्दयो विधाता बुंदेलखंड संर की प्रस्तुति पर सभागार में उपस्थित झांसी के वरिष्ठ चित्रकारों ने जमकर सराहना की। तीन दिवसीय कार्यक्रम झांसी की प्रख्यात लोक कलाविद डॉ मधु श्रीवास्तव की प्रथम पुण्यतिथि वर्ष कार्यक्रम के अंतिम दिन वीरगंगा रानी लक्ष्मीबाई के बलिदान दिवस पर आयोजित हुआ जिसमें झांसी के वरिष्ठ चित्रकारों के चित्रों का प्रदर्शन हुआ एवं समस्त चित्रकारों को सम्मानित किया गया।

लाल-नीली बत्ती व हूटर/सायरन के विरुद्ध 46 वाहनों पर कार्यवाही

अमन लेखनी समाचार

अमेठी, बुधवार को लाल नीली बत्ती, हूटर/सायरन, दोपहिया/चार पहिया वाहनों पर पुलिस कलर्स का प्रयोग एवं वाहनों पर उत्तर प्रदेश शासन एवं भारत सरकार लिखे जाने के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए अमेठी पुलिस द्वारा अब तक कुल 460 वाहनों का चालान व 5,62,000/- रुपये समन शुल्क किया गया। मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश शासन के आदेश-निर्देश क्रम में लाल-नीली बत्ती, हूटर/सायरन, दोपहिया/चार पहिया वाहनों पर पुलिस कलर्स का प्रयोग एवं उत्तर प्रदेश शासन एवं भारत सरकार लिखे जाने के विरुद्ध आज जनपद अमेठी पुलिस द्वारा अभियान



चलाकर लाल-नीली बत्ती व हूटर/सायरन के विरुद्ध 46 वाहनों पर कार्यवाही करते हुये 2,000 रुपए समन शुल्क, दोपहिया/चार पहिया वाहनों पर पुलिस कलर्स का प्रयोग किये जाने के विरुद्ध 56 वाहनों पर कार्यवाही करते हुए 8,000 रुपये समन शुल्क, दोपहिया/चार पहिया वाहनों पर उत्तर प्रदेश शासन एवं भारत

सरकार लिखा हुआ (अनुबंधित वाहनों को छोड़कर) के विरुद्ध 15 वाहनों पर कार्यवाही करते हुये 6,000 रुपए समन शुल्क किया गया। इस प्रकार उक्त अभियान में जनपद अमेठी पुलिस ने अब तक कुल 460 वाहनों का चालान करते हुये 05 लाख 62 हजार रुपए समन शुल्क जोजित किया गया है।

अमन लेखनी
(हिन्दी दैनिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और प्राय व पोस्ट-बनी, थाना- बन्धरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।

सम्पादक - श्रीमती अखिलेश सिंह

समाचार सम्पादक - रुद्र प्रताप सिंह

समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

मो. - 9838159555, 9935457982

E-mail address amanlekhani@ gmail.com



स्टार योग मंत्र

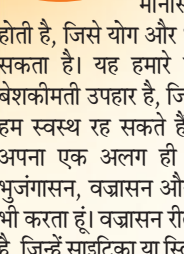
योग बनाए हेल्दी-एनर्जेटिक

हेल्थ के लिए योगाभ्यास के फायदों को आम लोग ही नहीं सेलिब्रिटीज भी मानते हैं। यहां दो टीवी एक्टर्स बता रहे हैं, योग उनकी लाइफ और हेल्थ को मेटेन करने में किस तरह मदद करता है?

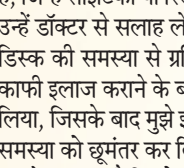
मैं नियमित योगासन करता हूँ: आरव चौधरी



सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर प्रसारित होने वाले 'श्रीमद् रामायण' सीरियल में दशरथ के किरदार में नजर आए आरव चौधरी कहते हैं, 'योग का महत्व मैंने मेरे पिताजी से सीखा है। योग उनकी दिनचर्या का महत्वपूर्ण हिस्सा हुआ करता था। मेरी नजरों में योग सिर्फ शरीर के अंगों की क्रियाओं तक ही सीमित नहीं होता है, बल्कि एक ऐसी गतिविधि है, जो मन को एकाग्रित करने के साथ ही आपको मानसिक और शारीरिक रूप से मजबूत भी बनाता है। आज की भाग-दौड़ भरी दिनचर्या शारीरिक और



मानसिक तौर पर थका देने वाली होती है, जिसे योग और ध्यान द्वारा संतुलित किया जा सकता है। यह हमारे पूर्वजों द्वारा हमें दिया गया बेशकीमती उपहार है, जिसे अपने रूटीन में अपनाकर हम स्वस्थ रह सकते हैं। वैसे तो सभी आसनों का अपना एक अलग ही महत्व होता है। लेकिन मैं भुजंगासन, वज्रासन और कई आसनों के साथ ध्यान भी करता हूँ। वज्रासन रीढ़ की हड्डी को मजबूत बनाता है, जिन्हें साइटिका या स्लिप डिस्क जैसी बीमारियां हो, उन्हें डॉक्टर से सलाह लेकर इन आसनों को जरूर करना चाहिए। मैं खुद भी स्लिप डिस्क की समस्या से ग्रसित था। इसकी वजह से ब्याड फ्लो रुकने लगता है। जब काफी इलाज कराने के बाद भी मुझे कोई आराम नहीं मिला, तब मैंने योग का सहारा लिया, जिसके बाद मुझे इसमें बहुत आराम मिला। योग ने मानो मेरी स्लिप डिस्क को समस्या को ह्यूमन कर दिया है।

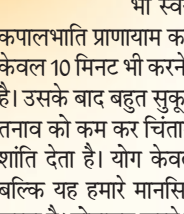


मेरा मानना है कि योगासन और ध्यान, एकाग्रित मन के साथ ही बेहतर स्वास्थ्य प्रदान करने में भी बहुत मदद करता है। इससे शारीरिक और मानसिक विकारों से राहत मिलती है। स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन निवास करता है। अगर हमारा शरीर स्वस्थ रहेगा, तो ही हम हर कार्य बेहतर ढंग से कर सकेंगे। योग हर उम्र के लोगों के लिए महत्वपूर्ण है। इसलिए हम सभी को नियमित रूप से योगाभ्यास करना चाहिए। *

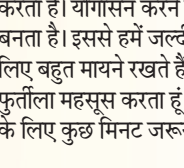
मैं नियमित सूर्य नमस्कार करता हूँ: विनीत चौधरी



शो मारु चैनल के शो 'कर्मधिकारी शनिदेव' में शनिदेव की भूमिका निभा रहे एक्टर विनीत कुमार चौधरी योगासन के महत्व के बारे में बताते हैं, 'मैं नियमित रूप से योगासन करता हूँ। उनमें से कुछ ऐसे आसन हैं, जिन्हें मैं रोज करता हूँ। इनमें से एक है, सूर्य नमस्कार। इससे पूरे शरीर का वर्कआउट हो जाता है। यह मांसपेशियों को मजबूत देता है, शरीर में संतुलन और लचीलापन बनाए रखता है। यह न सिर्फ वजन घटाने में मदद करता है, बल्कि हृदय को भी स्वस्थ रखता है। इसके अलावा



कपालभाति प्राणायाम करना भी नहीं भूलता। रोज इसे केवल 10 मिनट भी करने से पहले तो खुद पसीना होता है। उसके बाद बहुत सुकून और आराम मिलता है। यह तनाव को कम कर चिंतामुक्त बनाता है और मानसिक शांति देता है। योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं है, बल्कि यह हमारे मानसिक स्वास्थ्य को भी संतुलित करता है। योगासन करने से शरीर फुर्तीला और मजबूत बनता है। इससे हमें जल्दी थकान नहीं होती है। एक एक्टर के तौर पर ये फायदे हमारे लिए बहुत मायने रखते हैं। इससे लंबे समय तक शूटिंग करने के बावजूद भी खुद को फुर्तीला महसूस करता हूँ। मेरा मानना है कि हम कितने भी बिजी क्यों ना रहें योगासन के लिए कुछ मिनट जरूर निकालने चाहिए। *



प्रस्तुति: सेहत डेस्क



योगमय जीवन

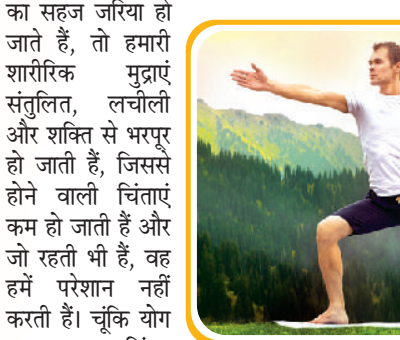
दिव्यज्योति 'नंदन'

पि

छले दिनों 'जॉन हॉपकिंस मेडिसिन होम' ने अपने एक स्वास्थ्य बुलेटिन में स्वीकार किया कि 21वीं सदी में समूह मेडिकल तंत्र योग का लोहा मान रहा है। क्योंकि मेडिकल साइंस में आज तक ऐसी कोई दवा नहीं बनी, जो एक साथ बहुत सारी बीमारियों में समान रूप से फायदेमंद हो और न ही कोई ऐसी मेडिकल डिस्कवरी हुई है, जो भारत में जन्मे प्राचीन ज्ञान, 'योग' का मुकाबला कर सके। दुनिया में कोई ऐसी बीमारी नहीं है और कोई भी ऐसी उम्र नहीं है, जब योगासनों के फायदे न होते हों। हर बीमारी के लिए कोई न कोई बेहद स्पेसिफिक योगासन है। यूं तो जॉन हॉपकिंस मेडिसिन होम ने अपने ग्राहकों के लिए योग के दर्जनों फायदों का जिक्र किया है, लेकिन हम योगासनों से होने वाले पांच सबसे महत्वपूर्ण फायदों पर एक नजर डालेंगे, जिससे स्वतः स्पष्ट हो जाएगा कि आखिर पूरी दुनिया के मेडिकल जगत में योगासनों का इस कदर चमत्कारिक डंका क्यों बज रहा है?

मूड रहता है पॉजिटिव

योग, शरीर और मन को एक साथ लाने का सरल अभ्यास है। शरीर की विभिन्न मुद्राएं, हमें यह गुण प्रदान करती हैं। श्वास तकनीक और ध्यान प्रक्रिया भी इसका हिस्सा है। जब योगासन हमारी दैनिक जिंदगी का सहज जरिया हो जाते हैं, तो हमारी शारीरिक मुद्राएं संतुलित, लचीली और शक्ति से भरपूर हो जाती हैं।



स्वस्थ होने वाली चिंताएं कम हो जाती हैं और जो रहती भी हैं, वह हमें परेशान नहीं करती हैं। चूंकि योग तनाव, चिंता, अवसाद और हमारी नकारात्मक सोच पर विराम लगाता है, इसलिए नियमित रूप से योगासन करने वाले लोगों का मूड हमेशा अच्छा रहता है। जब मूड अच्छा होता है तो जिंदगी को लेकर हम बेहद सकारात्मक होते हैं और हमारी जीवनशैली बेहद अनुशासित हो जाती है। हम सब जानते हैं कि आज सबसे ज्यादा लोग जीवनशैली के रोगों से ग्रस्त हैं। जब हम हर दिन नियमित रूप से योगासन करते हैं तो गलत जीवनशैली से उत्पन्न होने वाले रोगों से मुक्ति मिल जाती है।

हृदय रहता है स्वस्थ

नियमित योग करने वाले लोगों के शरीर में ऐसी सूजन कभी नहीं होती, जो एक उम्र के बाद अधिकांश लोगों के शरीर का हिस्सा बन जाती है। दरअसल, नियमित योगासन करने वालों के शरीर में सूजन इसलिए नहीं पैदा होती, क्योंकि योग करने से उनका दिल स्वस्थ रहता है। ऐसे लोगों में उच्च रक्तचाप और अतिरिक्त वजन की समस्या न के बराबर होती है, इस वजह से भी ऐसे लोगों का दिल स्वस्थ रहता है, वह सहज गति से धड़कता है।

शरीर की अलग-अलग मुद्राएं योगासन कहलाती हैं। इन योगासनों का अगर हम नियमित अभ्यास करें तो अनेक तरह की बीमारियों से बचे रह सकते हैं। यही नहीं इससे हमारे भीतर सकारात्मकता, नई ऊर्जा और चेतना का संचार होता है, जिससे जीवन को हम सहजता से जीना सीखते हैं। योगाभ्यास के विभिन्न फायदों के बारे में यहां विस्तार से बता रहे हैं।

नियमित करें योग रहें हमेशा निरोग

कम से कम एक दर्जन ऐसे योगासन हैं, जो भले अलग-अलग मुद्राओं से संबंधित होते हों लेकिन उन सबका साझा असर यह होता है कि हमारा दिल स्वस्थ रहता है और इससे हम बहुत तरह की बीमारियों से बचे रहते हैं।

आती है अच्छी नींद

विभिन्न शोध अध्ययन इस बात की पुष्टि करते हैं कि जो लोग नियमित तौर पर योगासन करते हैं, उन्हें हर रोज भरपूर नींद आती है। नियमित योगाभ्यास के जरिए ऐसे लोगों के सोने और उठने में एक रिश्ता आ जाता है, जिस कारण अच्छी नींद उनकी रोजगारी का

जिंदगी का हिस्सा हो जाती है। अलग-अलग अध्ययनों से यह भी सिद्ध हुआ है कि अच्छी नींद हासिल करने का मतलब है, कई तरह की बीमारियों से मुक्त रहना। अच्छी नींद नियमित योगाभ्यास का एक ऐसा सुखद नतीजा है, जिसकी चाह आज पूरी दुनिया रखती है, क्योंकि दवाओं के जरिए नींद न तो गुणवत्तापूर्ण आती है और न ही उसके नतीजे बेहतर होते हैं।

सामाजिक जुड़ाव से बढ़े सकारात्मकता

कई अध्ययन इस बात की पुष्टि करते हैं कि एक जैसे स्वभाव के लोगों का आपस में मिलना-जुलना शारीरिक स्वास्थ्य के साथ ही योग, मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी बहुत कारगर होता है। इस बारे में मुंबई स्थित सैकी अस्पताल में योगा कोच योगाचार्य शिव (शिवम पांडेय) कहते हैं, 'हमारे स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने के अनेक उपाय हैं, जैसे दौड़ना, जिमिंग करना, व्यायाम या कोई खेल की गतिविधि करना। लेकिन योग अभ्यास को अन्य फिटनेस गतिविधियों से जो बांध अलग करता है, वह है योग की शरीर के शक्ति तंत्र पर प्रभाव डालने की क्षमता। हमारा नर्वस सिस्टम हमें जीवन में सही और नैतिक ढंग से कार्य करने की क्षमता देता है और इसका गहरा संबंध हमारी रीढ़ की हड्डी (स्पाइन) से भी होता है। स्पाइन को हेल्दी और एक्टिव रखने में योग बहुत इफेक्टिव है। एक अमेरिकन जर्नल की रिपोर्ट के अनुसार, स्ट्रेस आने वाले कल की सबसे बड़ी स्वास्थ्य समस्या बनने वाली है। ऐसे में योग बहुत कारगर



खुशियों से भरता है। यह गतिविधि हमें स्वस्थ रखती है और हमारी उम्र बढ़ाती है। नियमित योग करने वाले लोग जब घर के बाहर अपने ही जैसे दूसरे लोगों के साथ मिलकर यह अभ्यास करते हैं तो उन्हें एक-दूसरे की बेहतर समझ और जानकारियों का फायदा तो मिलता ही है, साथ ही नियमित योग करने वाले लोग जब आपस में मिलते-जुलते हैं तो खूब हंसी-मजाक

करते हैं और एक लंबा तनावरहित और उल्लास से भरा जीवन जीते हैं। इसका नतीजा हमें बेहतर शारीरिक-मानसिक स्वास्थ्य के रूप में मिलता है। योग कक्षाओं में भाग लेना इसलिए जरूरी है, क्योंकि वहां आप सिर्फ योगासन नहीं सीखते बल्कि सीखें और सीखने की कोशिश करने वाले लोगों का साथ भी पाते हैं, जो हमें खुश रखता है और सेहतमंद भी।

सिद्ध हो सकता है। योग हमारे नर्वस सिस्टम के साथ-साथ हमारे श्वसन तंत्र को भी प्रभावित करता है। स्ट्रेस और एंजाइटी के समय हृदय की गति बढ़ जाती है, जिससे ब्लड प्रेशर प्रभावित होता है और शरीर का होमियोस्टैसिस अनियंत्रित हो जाता है। ऐसे में प्राणायाम बहुत कारगर है। अनुलूम-विलोम का 4 मिनट से लेकर 10 मिनट तक का अभ्यास ब्लड प्रेशर को कम करके शरीर का होमियोस्टैसिस बैलेंस करता है। इसके साथ ही हस्तपादासन, सुप्त वज्रासन, भुजंगासन शरीर में ऊर्जा का संचार बढ़ाते हैं। इन आसनों का अभ्यास प्रतिदिन 1 से 2 मिनट तक 3 से 4 बार करना चाहिए। इसके अलावा ध्यान, मंत्र, मंत्र-जाप आपके शरीर में एरोटोनिन, ऑक्सिटोसिन

कई तरह के दर्दों से मिले राहत दर्जनों ऐसे योगासन हैं, जो हमारे शरीर के अलग-अलग हिस्सों में होने वाले दर्दों से हमें राहत देते हैं। मसलन, पीठ के निचले हिस्से में होने वाले भयंकर दर्द से नियमित योगाभ्यास हमें छुटकारा दिलाता है। इसी तरह कैंसर या कांस्टिपेशन जैसे रोगों से निराकरण और कूलहों के दर्द से छुटकारा दिलाता है। इसी तरह सिरदर्द, कमर में होने वाले दर्द, घुटनों के दर्द आदि से भी योग के विभिन्न तरीके हमें राहत दिलाते हैं। इस तरह देखें तो योग करने के अनगिनत फायदे हैं। *

मानसिक तनाव, अवसाद, चिड़चिड़ेपन से मुक्ति देकर मन को एकाग्रित और शांत करने के लिए प्राचीनकाल से मेडिटेशन का सहारा लिया जाता रहा है। मेडिटेशन करने के कई तरीके हो सकते हैं। इनमें से कुछ के बारे में जानिए।

शावर मेडिटेशन: जब भी आप शावर ले रहे हों तो कल्पना करें कि आप तनाव नकारात्मक विचारों, अवसाद और उद्विग्नता को पानी के साथ बहाकर बाहर कर रहे हैं। अपनी त्वचा पर पानी की शीतलता और उसके दबाव से मिलने वाले आनंद को महसूस करें। आपको लगेगा मानो उदासी, दुख, पछतावा, चिंताएं निकालकर बहती हुई बाहर नाले में जा रही हैं। यह अभ्यास और नजरिया आपके तन के साथ-साथ मन को भी सुकून देगा।

विजुअलाइजेशन मेडिटेशन: जब भी आप विजुअलाइजेशन करना यानी जो चाहते हैं, उसकी एक स्पष्ट छवि और स्पष्ट विचार की कल्पना करना सीख लें, तो आपके लिए उस चीज या लक्ष्य को हासिल करना आसान हो जाता है। विजुअलाइजेशन मेडिटेशन के लिए किसी शांत जगह पर आंखें बंद करके बैठ जाएं और पूरा ध्यान अपने लक्ष्य पर

आह्वान

अज्ञेय कुमार
इस वर्ष के अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की थीम 'महिला सशक्तिकरण के लिए योग' है। यह विषय समग्र रूप से महिलाओं को स्वस्थ, निरोग, आनंदमय, शांतिपूर्ण और गतिशील बनाए रखने के लिए उन्हें प्रेरित करने के उद्देश्य से ही निश्चित की गई है।
कई बीमारियों से बचाए: महिलाओं की बहुत सी ऐसी बीमारियां होती हैं, जिन्हें योगासनों से दूर किया जा सकता है। योग विशेषज्ञों के अनुसार, गर्भाशय संबंधी सभी बीमारियों में सर्वांगसन और शीर्षासन का अभ्यास करना चाहिए। बार-बार गर्भपात हो जाना या बच्चा न होने की अवस्था में स्त्रियों को शीर्षासन से लाभ पहुंच सकता है। बॉस को मजबूती देने में भी योगासन का बहुत प्रभाव पड़ता है। रीढ़ की हड्डी के स्वास्थ्य के लिए आगे झुकना, पीछे झुकना, दाएं-बाएं झुकना और विभिन्न आसनों से उसे लचीला बनाना और नाड़ी के प्रवाह को ठीक रखना आवश्यक है। योग रीढ़ की हड्डी से संबंधित सभी समस्याओं को सौ प्रतिशत सही करने में सक्षम है। इनमें सर्वाङ्कल, स्लिप डिस्क, नाड़ी तंत्र, सियाटिका और स्पीडलाइटिस आदि शामिल हैं। योगासन से पांच शक्ति बढ़ती है। अग्निशार, उड्यान बंध और कई आसन और क्रियाएं पाचन संस्थान को

एडवाइस / शिखर चंद जैन

चमत्कारी प्रभाव वाले स्पेशल मेडिटेशन



केंद्रित करते हुए उस चीज को देखें। इससे आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा।
ट्रिटीट्यूड मेडिटेशन: जब आप अपनी तकदीर को

योग का अभ्यास जो भी व्यक्ति नियमित करता है, उसे इसके लाभ मिलते हैं। खासतौर पर महिलाएं अगर इनका अभ्यास करें तो तन-मन से सदावत बन सकती हैं।

योगाभ्यास से महिलाएं बनें सशक्त

सहयोगी सर्वांगसन है। लाइफस्टाइल संबंधी किसी भी परेशानी से निजात पाने के लिए प्रतिदिन 30 से 45 मिनट योगाभ्यास करना जरूरी है।
वर्किंग महिलाएं जरूर करें योग: काम-काजी महिलाएं घर और ऑफिस के कामों के चलते लगातार व्यस्त रहती हैं। लेकिन फिर भी उन्हें योग के लिए कुछ समय जरूर निकालना चाहिए। इसका उनकी हेल्थ और लाइफ पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। कुछ ऐसे योगासन हैं, जिन्हें वे अपनी दिनचर्या में शामिल कर अपने तन-मन को स्वस्थ रख सकती हैं। जैसे-धामरी प्राणायाम मन को शांत करता है

रहती हैं। लेकिन फिर भी उन्हें योग के लिए कुछ समय जरूर निकालना चाहिए। इसका उनकी हेल्थ और लाइफ पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। कुछ ऐसे योगासन हैं, जिन्हें वे अपनी दिनचर्या में शामिल कर अपने तन-मन को स्वस्थ रख सकती हैं। जैसे-धामरी प्राणायाम मन को शांत करता है

ब्यू टैंड डीजे नंदन

ब्रेन योग से दिमाग सिर्फ स्थिर या संतुलित ही नहीं रहता बल्कि इसकी कार्यप्रणाली भी तीव्र और बेहतर होती है। यह एक किस्म का मानसिक व्यायाम है। यह मस्तिष्क की तरंगों को खासतौर पर चैनलाइज करने की प्रक्रिया है और इस पर नियंत्रण करके हम अपने दिमाग को पारंपरिक तरीके से कहीं बेहतर रूप में विकसित कर सकते हैं। इस योग प्रक्रिया के जरिए हम अपने दिमाग के विभिन्न हिस्सों से न सिर्फ मजबूत संबंध स्थापित कर सकते हैं बल्कि उन्हें खासतौर पर नियंत्रित भी कर सकते हैं। इससे दिमाग का फोकस बढ़ता है, दिमागी ऊर्जा का जबरदस्त संचार होता है।
निष्कर्ष है पर्सनैलिटी: ब्रेन योग के कुछ फायदे लोगों के समूचे व्यक्तित्व में दिखते हैं। मसलन, ऐसे लोगों की स्मार्टनेस साफ तौर पर नजर आती है। कुछ लोगों के कार्यपरिणामों में उनकी कुशलता या स्मार्टनेस दिखती है। पब्लिक डीलिंग में ऐसे लोग होते हैं, जो उन पर आम लोग कहीं ज्यादा धरोसा करते हैं, क्योंकि उनके समूचे व्यक्तित्व पर आत्मविश्वास झलक रहा होता है।
मन-मस्तिष्क में बने संतुलन: ब्रेन योग हमारे मन और मस्तिष्क पर एक मनोवैज्ञानिक संतुलन साधने की तरकीब भी है। इससे हमारे सोचने की क्षमता तो बढ़ती ही है, हमारे सोचने की दिशा ज्यादा रचनात्मक भी बनती है। यादश्च बढ़ना तो इस योग के शुरुआती और बहुत मामूली फायदों में से है। जब हम नियमित रूप से सुपर ब्रेन योग की प्रैक्टिस करते हैं और इसमें दक्षता हासिल कर लेते हैं तो इसका असर हमारे कार्यों और लिए गए निर्णयों में भी दिखता है। तब हमारे

ब्रेन योग वास्तव में दिमाग की कार्यप्रणाली को बेहतर बनाने का एक सरल तरीका है। इसके प्रभाव को देखते हुए नई पीढ़ी के लोग ब्रेन योग के जरिए मानसिक एकाग्रता को और ज्यादा बेहतर बनाकर मानसिक तीव्रता हासिल करने की कोशिश करते हैं।

यंगस्टर्स में बढ़ रहा ब्रेन योग का क्रेज

काम ज्यादा सफाई से किए गए होते हैं और हमारे लिए गए निर्णय कहीं ज्यादा स्पष्ट और प्रभावशाली होते हैं। अगर इसे तकनीकी भाषा में कहें तो सुपर ब्रेन योग दरअसल, हमारे स्मार्टनेस दिखती है। पब्लिक डीलिंग में ऐसे लोग होते हैं, जो उन पर आम लोग कहीं ज्यादा धरोसा करते हैं, क्योंकि उनके समूचे व्यक्तित्व पर आत्मविश्वास झलक रहा होता है।
मन-मस्तिष्क में बने संतुलन: ब्रेन योग हमारे मन और मस्तिष्क पर एक मनोवैज्ञानिक संतुलन साधने की तरकीब भी है। इससे हमारे सोचने की क्षमता तो बढ़ती ही है, हमारे सोचने की दिशा ज्यादा रचनात्मक भी बनती है। यादश्च बढ़ना तो इस योग के शुरुआती और बहुत मामूली फायदों में से है। जब हम नियमित रूप से सुपर ब्रेन योग की प्रैक्टिस करते हैं और इसमें दक्षता हासिल कर लेते हैं तो इसका असर हमारे कार्यों और लिए गए निर्णयों में भी दिखता है। तब हमारे

ब्रेन योग वास्तव में दिमाग की कार्यप्रणाली को बेहतर बनाने का एक सरल तरीका है। इसके प्रभाव को देखते हुए नई पीढ़ी के लोग ब्रेन योग के जरिए मानसिक एकाग्रता को और ज्यादा बेहतर बनाकर मानसिक तीव्रता हासिल करने की कोशिश करते हैं।

यंगस्टर्स में बढ़ रहा ब्रेन योग का क्रेज

काम ज्यादा सफाई से किए गए होते हैं और हमारे लिए गए निर्णय कहीं ज्यादा स्पष्ट और प्रभावशाली होते हैं। अगर इसे तकनीकी भाषा में कहें तो सुपर ब्रेन योग दरअसल, हमारे स्मार्टनेस दिखती है। पब्लिक डीलिंग में ऐसे लोग होते हैं, जो उन पर आम लोग कहीं ज्यादा धरोसा करते हैं, क्योंकि उनके समूचे व्यक्तित्व पर आत्मविश्वास झलक रहा होता है।
मन-मस्तिष्क में बने संतुलन: ब्रेन योग हमारे मन और मस्तिष्क पर एक मनोवैज्ञानिक संतुलन साधने की तरकीब भी है। इससे हमारे सोचने की क्षमता तो बढ़ती ही है, हमारे सोचने की दिशा ज्यादा रचनात्मक भी बनती है। यादश्च बढ़ना तो इस योग के शुरुआती और बहुत मामूली फायदों में से है। जब हम नियमित रूप से सुपर ब्रेन योग की प्रैक्टिस करते हैं और इसमें दक्षता हासिल कर लेते हैं तो इसका असर हमारे कार्यों और लिए गए निर्णयों में भी दिखता है। तब हमारे

ब्रेन योग वास्तव में दिमाग की कार्यप्रणाली को बेहतर बनाने का एक सरल तरीका है। इसके प्रभाव को देखते हुए नई पीढ़ी के लोग ब्रेन योग के जरिए मानसिक एकाग्रता को और ज्यादा बेहतर बनाकर मानसिक तीव्रता हासिल करने की कोशिश करते हैं।

यंगस्टर्स में बढ़ रहा ब्रेन योग का क्रेज

काम ज्यादा सफाई से किए गए होते हैं और हमारे लिए गए निर्णय कहीं ज्यादा स्पष्ट और प्रभावशाली होते हैं। अगर इसे तकनीकी भाषा में कहें तो सुपर ब्रेन योग दरअसल, हमारे स्मार्टनेस दिखती है। पब्लिक डीलिंग में ऐसे लोग होते हैं, जो उन पर आम लोग कहीं ज्यादा धरोसा करते हैं, क्योंकि उनके समूचे व्यक्तित्व पर आत्मविश्वास झलक रहा होता है।
मन-मस्तिष्क में बने संतुलन: ब्रेन योग हमारे मन और मस्तिष्क पर एक मनोवैज्ञानिक संतुलन साधने की तरकीब भी है। इससे हमारे सोचने की क्षमता तो बढ़ती ही है, हमारे सोचने की दिशा ज्यादा रचनात्मक भी बनती है। यादश्च बढ़ना तो इस योग के शुरुआती और बहुत मामूली फायदों में से है। जब हम नियमित रूप से सुपर ब्रेन योग की प्रैक्टिस करते हैं और इसमें दक्षता हासिल कर लेते हैं तो इसका असर हमारे कार्यों और लिए गए निर्णयों में भी दिखता है। तब हमारे

सरल तरीका-भरपूर प्रभावी: कई बार हमारे सामाजिक व्यवहार में कुछ ऐसी गतिविधियां शामिल होती हैं, जिनका मतलब हम नहीं जानते, लेकिन वे बहुत दूरगामी लक्ष्य को साध रही होती हैं, जैसे- पुराने जमाने में जब किसी छात्र को शिक्षक द्वारा बार-बार पूछे गए सवाल का जवाब नहीं आता था, तब शिक्षक उन्हें दोनो कान पकड़ने या मुर्गा बनने की सजा देते थे। लेकिन अब कई योगाचार्य बता रहे हैं कि वास्तव में यह सजा एक सुपर ब्रेन योग था। एक साथ दोनो कान पकड़ने से हमारे दिमाग का ग्रे-मैटर बढ़ता है और इससे हमारे निर्णय लेने की क्षमता और हमारा फोकस बढ़ता है। यही वजह है कि आजकल योगाचार्य बच्चों को ब्रेन योग कराने की सलाह देते हैं। *

